@saahassamachar @saahassamachar @saahassamachar

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

साहस समाचार

निष्पक्ष, निर्भीक, बेबाक

नई दिल्ली, गुरुवार, 6 नवंबर 2025, वर्ष-1, अंक-19, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए RNI No-DLHIN/25/A28415 www.saahassamachar.in

मोनालिसा जल्द फिल्मों में कर रहीं एंट्री...पेज-8

राहुल गांधी ने फिर लगाया वोट चोरी का आरोप

कहा, हरियाणा का विधानसभा चुनाव चोरी हुआ था, भाजपा सरकार वैध नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वोट चोरी के खिलाफ अपनी मुहिम को जारी रखते हुए बुधवार को हरियाणा की मतदाता सूची से जुड़े आंकड़े सामने रखे और दावा किया कि पिछले साल अक्टूबर में हुए राज्य विधानसभा चुनाव को 25 लाख फर्जी मतों के जरिये चोरी किया गया था। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलीभगत का आरोप भी लगाया और कहा कि न सिर्फ हरियाणा की सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वैध रूप से पद पर नहीं हैं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी सरकार में वैध रूप से नहीं हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने संवाददाता सम्मेलन में एक लंबी प्रस्तुति दी और कहा कि हरियाणा में 'वोट चोरी' को लेकर वह जो बातें कर रहे हैं वो सौ फीसदी सबूत पर आधारित हैं।

उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि हरियाणा में सर्वेक्षणों में कांग्रेस की जीत की संभावना जताई गई थी, लेकिन सुनियोजित ढंग से कांग्रेस की तय जीत को हार में बदला गया। गांधी ने कहा, मैं 'जेन जेड' से कहना चाहता हूं कि देखिये कि कैसे आपके भविष्य की चोरी की जा रही है। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के एक बयान का वीडियो दिखाया जिसमें सैनी ने कथित तौर पर सरकार बनाने की व्यवस्था होने की बात की थी।

राहुल गांधी ने दावा किया कि हरियाणा में पांच अलग-अलग तरीकों से 25,41,144 फर्जी मतों से वोट चोरी की गई। कांग्रेस नेता ने कहा, हरियाणा में पांच तरीके की 'वोट चोरी' है। 'डुप्लीकेट वोटर' की संख्या 5,21,619 रही। फर्जी पते वाले मतदाताओं की संख्या 93,174 थी, 'बल्क वोटर' 19,26,351 थे।''

उन्होंने कहा कि फॉर्म 6 और फॉर्म 7 का भी दुरुपयोग किया गया। फॉर्म 6 का उपयोग मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और फॉर्म 7 का इस्तेमाल गलत मतदाता सूची से गलत प्रविष्टि हटाने के लिए किया जाता है। कांग्रेस नेता ने कहा, फॉर्म 6 और फॉर्म 7 के जरिये वोटरों को जोड़ा और घटाया जाता है। महादेवापुरा और आलंद के खुलासे के बाद निर्वाचन आयोग ने इसका डेटा देना बंद कर दिया है।

राहुल गांधी ने दावा किया, हरियाणा चुनाव की मतदाता सूची 'डुप्लीकेट वोटर' से भरी पड़ी है। ये एआई का समय है। निर्वाचन आयोग चाहे तो दो मिनट में फर्जी मतदाताओं के नाम हटा सकता है। लेकिन आयोग ऐसा इसलिए नहीं करता, क्योंकि वो 'वोट चोरी' में भाजपा की मदद कर रहा है।

उनका कहना था, हम जो कर रहे हैं, उससे भारत के लोगों को यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि क्या हुआ है। हम लोगों को सूचित कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री वैध रूप से सरकार में नहीं हैं। इसी तरह, हरियाणा के मुख्यमंत्री (सैनी) वैध रूप से सरकार में नहीं हैं क्योंकि यह सरकार चोरी हुई है। राहुल गांधी ने हरियाणा में कथित वोट चोरी को लेकर कुछ उदाहरण दिए। उन्होंने दावा किया कि ब्राजील की एक मॉडल की तस्वीर का इस्तेमाल करके राज्य में 10 बूथ पर सीमा और स्वीटी जैसे 22 अलग-अलग नाम से फर्जी मतदाता बनाए गए थे। उन्होंने कथित फर्जी मतदाताओं के कुछ और उदाहरण भी दिए। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि निर्वाचन आयोग और भाजपा की मिलीभगत से चुनाव चोरी किया गया।

'वोट चोरी' करने वालों की नजर अब बिहार पर : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से एक दिन पहले बुधवार को दावा किया कि विभिन्न राज्यों में वोट चोरी करने वालों की नजर अब बिहार पर है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने बिहार के युवाओं और 'जेन जेड' का आह्वान किया कि वो इस साजिश को नाकाम करें। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और निर्वाचन आयोग द्वारा 'भारतीय लोकतंत्र की हत्या' करने के लिए ''वोट चोरी' की जो व्यवस्था विकसित की गई है, उसका उपयोग बिहार विधानसभा चुनाव में भी किया जाएगा। राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर कहा, मेरे युवा साथियो, मेरे जेन जेड भाइयो और बहनो, कल का दिन सिर्फ़ मतदान का दिन नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य की दिशा तय करने का दिन है। उन्होंने कहा, आपमें से कई पहली बार वोट डालने जा रहे हैं। यह सिर्फ़ आपका अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी है। उनका कहना है, आपने देखा, हरियाणा में किस तरह भयंकर वोट चोरी का खेल खेला गया। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ - हर जगह इन लोगों ने जनता की आवाज दबाने की कोशिश की।

चुनाव आयोग ने राहुल के आरोपों को बताया बेबुनियाद

नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हरियाणा विधानसभा के 2024 में हुए चुनावों में धांधली के आरोपों को नकारते हुए कहा है कि यदि कहीं कोई गड़बड़ी हो रही थी और एक ही नाम से कई बार मतदान किया जा रहा था तो कांग्रेस के चुनाव एजेंटों को इस पर आपत्ति दर्ज करनी चाहिए थी। गांधी के बुधवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में चुनाव आयोग पर मतदाता सूची में हेराफेरी करने के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए आयोग ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि हरियाणा में मतदाता सूची को लेकर कहीं कोई शिकायत नहीं है। वर्तमान में 90 सदस्यों वाली विधानसभा चुनाव से जुड़ी 22 याचिकाएं उच्च न्यायालय में लंबित हैं।

भारतीय मूल के ममदानी ने न्यूयॉर्क के मेयर पद का चुनाव जीता

न्यूयॉर्क, एजेंसी।

भारतीय मूल के 34 वर्षीय जोहरान ममदानी ने मंगलवार को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव में निर्णायक एवं ऐतिहासिक जीत हासिल की। उन्होंने अपने विजय भाषण के दौरान पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा कि शहर पुराने से नए युग की ओर बढ़ रहा है।

ममदानी ने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे।

ममदानी प्रसिद्ध भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं। ममदानी का जन्म युगांडा में हुआ था। इस जीत के साथ ही वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर में मेयर बनने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए हैं।

ममदानी की ऐतिहासिक जीत को 84 लाख से अधिक की आबादी वाले इस शहर के प्रशासनिक कामकाज में प्रगतिशील राजनीति की वापसी के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने श्रमिक वर्ग के मुद्दों को प्राथमिकता देने का संकल्प जताया है।

हरियाणा में वोट चोरी संबंधी राहुल का दावा निराधार: भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर वोट चोरी संबंधी राहुल गांधी के दावों को बुधवार को झूठा और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कांग्रेस नेता पर अपनी नाकामियों को छिपाने तथा देश के लोकतंत्र को बदनाम करने के लिए निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाने का आरोप लगाया।

भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने गांधी पर 'जेन जेड' को भड़काने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे प्रयास कभी सफल नहीं होंगे, क्योंकि भारत के युवा इतने समझदार हैं कि वे ऐसे उकसावे में नहीं आएंगे।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि पिछले साल हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में 25 लाख फर्जी मतों के जरिये चुनाव चोरी किया गया। गांधी के इस दावे के कुछ घंटे बाद भाजपा की यह प्रतिक्रिया सामने आई।

गांधी ने कहा, मैं जो कह रहा हूं वह सौ फीसदी सच है। एक पूरे राज्य (के चुनाव) को चुरा लिया गया।

रीजीजू ने गांधी के आरोपों को निराधार और झूठा बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि वह हरियाणा चुनाव में वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं और निर्वाचन आयोग का अपमान कर रहे हैं, जबकि उनकी पार्टी के सहयोगियों ने कहा है कि कांग्रेस अपने स्वयं के कारणों से चुनाव हारी है।

उन्होंने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, हरियाणा चुनावों के दौरान उनकी वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा ने कहा था कि कांग्रेस जीत नहीं पाएगी, क्योंकि हरियाणा कांग्रेस के नेता चाहते थे कि पार्टी हार जाए।

रीजीजू ने दावा किया, तीन दिन पहले कांग्रेस के एक पूर्व नेता ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कहा कि कांग्रेस हरियाणा चुनाव इसलिए हारी, क्योंकि उसके नेता काम नहीं कर रहे थे और पार्टी की हार सुनिश्चित करने में लगे हुए थे।

सार समाचार

जेएनयू छात्र संघ चुनाव नतीजे आज आएंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) के लिए मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच हुए मतदान के बाद देर रात मतगणना की प्रक्रिया शुरू हुई जो बुधवार को भी जारी रही। जेएनयूएसयू चुनाव समिति के अनुसार, परिणाम छह नवंबर को घोषित होने की उम्मीद है। इस साल जेएनयूएसयू चुनाव में 67 प्रतिशत मतदान हुआ जो पिछले चुनाव के 70 प्रतिशत से कम है। वर्ष 2023-24 के चुनावों में 73 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो पिछले एक दशक में सबसे अधिक है। जेएनयू परिसर मंगलवार को पूरे दिन ढोल-नगाड़ों, नारों और प्रचार गीतों से गूंजता रहा। छात्रों ने नए केंद्रीय समिति और स्कूल काउंसिलर को चुनने के लिए मतदान किया। मतदान सुबह 9 बजे शुरू हुआ और शाम 5.30 बजे तक चला, जिसमें दोपहर 1 बजे से 2.30 बजे के बीच का विराम शामिल है। कुल 9,043 छात्र चार प्रमुख केंद्रीय पदों - अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव और संयुक्त सचिव - और विभिन्न स्कूलों में 42 काउंसिलर सीटों के लिए मतदान करने के पात्र थे।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में बुधवार को और सुधार हुआ लेकिन समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 202 के साथ यह अभी भी खराब श्रेणी में दर्ज की गयी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 291 और सोमवार को 309 दर्ज किया गया। प्रमुख प्रदूषक पीएम10 और पीएम2.5 के स्तर में भी गिरावट आई है, पीएम10 का स्तर 175.2 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जबकि एक दिन पहले यह 260 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था तथा पीएम2.5 का स्तर 85.5 रहा, जबकि मंगलवार को यह 128.2 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था।

सीपीसीबी के समीर ऐप के अनुसार, शहर के 38 निगरानी स्टेशनों में से 28 ने वायु गुणवत्ता को 300 से अधिक के साथ ₹बहुत खराब₹ श्रेणी में बताया। निर्णय समर्थन प्रणाली (डीएसएस) द्वारा गणना की गई दिल्ली में पीएम2.5 में स्थानीय और गैर-स्थानीय आंशिक योगदान के दैनिक औसत के अनुसार, वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का योगदान 16.8 प्रतिशत था, जबकि अन्य अज्ञात स्रोतों का योगदान 44 प्रतिशत था।

उपग्रह से प्राप्त आंकड़ों से पता चला है कि बुधवार को पंजाब में पराली जलाने के 94, हरियाणा में 13 और उत्तर प्रदेश में 74 मामले सामने आए।

बिहार में प्रथम चरण का मतदान आज होगा

पटना, एजेंसी।

बिहार में प्रथम चरण के 121 विधानसभा क्षेत्र में गुरूवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच होने वाले मतदान में 1314 प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य का फैसला लगभग तीन करोड़ 75 लाख मतदाता इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में बंद कर देंगे।

प्रथम चरण में 06 नवंबर को मतदान का सामान्य समय सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक रहेगा। सुरक्षा कारणों से मुंगेर जिले की तीन सीटें तारापुर,मुंगेर और जमालपुर के अलावा सिमरी बख्तियारपुर ,महिषी और सूर्यगढ़ा के 56 मतदान केन्द्रों पर मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक ही चलेगा। बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने बताया कि कल होने वाले मतदान के लिये सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये गये हैं।

उन्होंने बताया कि त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच होने वाले मतदान के दौरान असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जायेगी।

सरकार ने जारी किए एआई पर विस्तृत दिशा-निर्देश

नई दिल्ली,एजेंसी। सरकार ने बुधवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई पर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया जिसमें एआई के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत, सिफारिशें और कार्य योजना भी शामिल हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 'इंडियाएआई मिशन' के तहत 'भारत एआई गवर्नेंस दिशानिर्देश' जारी किये।

यह एक व्यापक फ्रेमवर्क है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी क्षेत्रों में सुरक्षित, समावेशी और जिम्मेदारी पूर्ण एआई को अपनाया जा सके। केंद्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद ने दिशा-निर्देशों को औपचारिक रूप से जारी किया। ये दिशा-निर्देश भारत-एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026 से पहले एक मील का पत्थर है।

देश में अराजकता फैलाने की कोशिश रहे हैं राहुल: राजनाथ

बांका, एजेंसी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

सिंह ने बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता के पास अब तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने हाल में कांग्रेस नेता के चुनावी अभियान के दौरान मछली पकड़ने की कोशिश पर तंज कसा।

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि राहुल गांधी बिना किसी आधार के निर्वाचन आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों पर निशाना साध रहे हैं।

बिहार के जमुई जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, राहुल जी को क्या हो गया है? वे रक्षा बलों में आरक्षण की बात उठा रहे हैं। वे देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे सशस्त्र बल इन सब चीजों से ऊपर हैं। उन्होंने कहा, भारत के सैनिकों का केवल एक धर्म है—'सैन्य धर्म'। भाजपा आरक्षण के पक्ष में है। हमने गरीबों और समाज के पात्र वर्गों को आरक्षण दिया है।

राहुल गांधी ने मंगलवार को बिहार में चुनावी सभाओं के दौरान दावा किया था कि निजी क्षेत्र, न्यायपालिका, नौकरशाही और सशस्त्र बलों में पिछड़ी जातियों, आदिवासी समुदायों और अल्पसंख्यकों का बहुत कम प्रतिनिधित्व है, जबकि 10 प्रतिशत आबादी इन संस्थानों पर नियंत्रण रखती है। सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को यह समझना चाहिए कि देश चलाना बच्चों का खेल नहीं है।

उन्होंने पुलवामा जैसे आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा की गई 'ऑपरेशन सिंदूर' की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया है, खत्म नहीं किया गया। अगर आतंकवादी भारत पर फिर हमला करने की कोशिश करेंगे तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

सिंह ने कहा, हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकियों के ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया... मैं मारे गए आतंकवादियों की संख्या नहीं बताना चाहता, पर यह तीन अंकों से कहीं अधिक है।

उन्होंने कहा कि भारत किसी को उकसाता नहीं है, लेकिन अगर कोई देश भारत को उकसाने की कोशिश करता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

सिंह ने कहा कि अब भारत एक कमजोर देश नहीं रहा, बल्कि दुनिया में एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में जाना जाता है। गयाजी की सभा में उन्होंने कहा, राहुल गांधी बिना किसी सबूत के निर्वाचन आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों को निशाना बना रहे हैं। उन्हें पता है कि उनकी पार्टी की हार तय है।

बीजापुर मुठभेड़ में तीन माओवादी मारे गए

रायपुर,एजेंसी। छत्तीसगढ़ में माओवादी विरोधी अभियान में सुरक्षा बलों ने बीजापुर जिले के घने जंगलों में चल रही मुठभेड़ के दौरान कथित तौर पर तीन माओवादी विद्रोहियों को मार गिराया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह झड़प बुधवार को तेलंगाना की सीमा के निकट तारलागुडा क्षेत्र में हुई, जहां पुलिस और अर्धसैनिक बलों की संयुक्त टीमें तलाशी अभियान चला रही हैं। हालांकि, आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि घटनास्थल से तीन माओवादियों के शव बरामद कर लिए गए हैं और हथियार भी जब्त कर लिए गए हैं।

बताया जा रहा है कि यह मुठभेड़ अन्नाराम और मरिमल्ला गांवों के बीच जंगली इलाके में हो रही है।

प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से फिट इंडिया के संदेश का प्रचार करने का भी आग्रह किया

प्रधानमंत्री मोदी से मिली भारतीय चैंपियन टीम

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम से अपने निवास पर मुलाकात की और विश्व कप में लगातार तीन हार के कठिन दौर से गुजरने के बाद 'दृढता और शानदार वापसी' के लिये खिलाड़ियों की तारीफ भी की ।

प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार हार के बाद सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग के बारे में भी खिलाड़ियों से बात की और जबर्दस्त मानसिक दृढता का परिचय देकर शानदार वापसी करने और इतिहास रचने के लिये उनकी सराहना भी की ।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 2017 में ट्रॉफी के बिना प्रधानमंत्री से हुई मुलाकात को भी याद किया । उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि अब वे और सफलता अर्जित करके आगे भी मिलते रहना चाहेंगे ।

उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें प्रेरित किया है और उन सभी के लिये प्रेरणास्रोत रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम प्रधानमंत्री से मिलने मंगलवार की शाम यहां पहुंची थी। भारत ने रविवार को नवीमुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार आईसीसी खिताब जीता ।

बातचीत के दौरान 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' दीप्ति शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया कि वह 2017 से उनसे मिलने का इंतजार कर रही थी।

प्रधानमंत्री ने उनके इंस्टाग्राम बायोडाटा पर 'जय श्रीराम' और उनके हाथ पर हनुमान जी के टैटू का जिक्र किया तो दीप्ति ने मुस्कुराकर कहा कि इससे उन्हें ताकत मिलती है। हरमनप्रीत ने पूछा कि वह हर समय वर्तमान में कैसे रह पाते हैं , इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उनके जीवन का हिस्सा और आदत बन गई है।

उन्होंने टीम के सफर के यादगार पलों का भी जिक्र किया जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ 2021 में हरलीन देयोल का शानदार कैच शामिल है जो उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने मजाकिया लहजे में फाइनल में अमनजोत कौर के कैच का भी जिक्र किया जो दो बार संभलने के बाद तीसरी बार में उन्होंने लपका था । उन्होंने कहा कि कैच लपकने से पहले आपको गेंद दिख रही होगी लेकिन बाद में ट्रॉफी दिख गई होगी।

क्रांति गौड़ ने प्रधानमंत्री से कहा कि उनका भाई उनका बड़ा प्रशंसक है जिस पर प्रधानमंत्री ने उसे उनसे मिलने का खुला न्यौता दिया ।

मोदी ने खिलाड़ियों से फिट इंडिया के संदेश का प्रचार करने का भी आग्रह किया, खासकर देश की लड़कियों में। उन्होंने मोटापे की बढती समस्या पर चिंता जताते हुए फिटनेस और व्यायाम के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने खिलाड़ियों से अपने स्कूलों में जाकर युवाओं को खेलने के लिये प्रेरित करने को कहा।

पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों का दुरुपयोग बंद करे: मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने दोहा में सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों का दुरुपयोग नहीं करने की नसीहत देते हुये भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीबी उन्मूलन और सामाजिक सुरक्षा में भारत की परिवर्तनकारी प्रगति पर प्रकाश डाला। मंडाविया ने बुधवार को अपने संबोधन में पाकिस्तान के राष्ट्रपति द्वारा कल (मंगलवार) भारत के संबंध में अनुचित संदर्भों और टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुये कहा कि भारत के खिलाफ इस प्रकार का दुष्प्रचार फैलाना दुनिया का ध्यान सामाजिक विकास से हटाना और अंतरराष्ट्रीय मंच का दुरुपयोग है।

मंडाविया ने कहा, हम इस मामले को स्पष्ट करना चाहते हैं कि सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान ने निरंतर शत्रुता और सीमापार आतंकवाद के माध्यम से इस संधि की भावना को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने भारत की वैध परियोजनाओं में बाधा डालने के लिए संधि तंत्र का बार-बार दुरुपयोग किया है। मंडाविया ने स्पष्ट किया कि जहां तक जम्मू और कश्मीर का सवाल है, पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामलों में टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।

पूर्ण रूप से डिजिटल होगी जनगणना, पुराने वार्ड 24 में किया जाएगा प्री टेस्ट

फरीदाबाद निगम क्षेत्र में जनगणना की प्री टेस्टिंग के लिए 57 शिक्षकों की ड्यूटी इस कार्य मे प्रगणक के रूप में लगाई गई है।

फरीदाबाद,एजेंसी।

जनगणना कार्य निदेशालय हरियाणा द्वारा फरीदाबाद में जनगणना 2027 के लिए प्री टेस्ट ट्रेनिंग तीन दिवसीय आयोजित की जा रही है। बता दें कि जनगणना कार्य निदेशालय हरियाणा के निर्देशों पर निगम आयुक्त धीरेंद्र खडग़टा के मार्गदर्शन में फरीदाबाद निगम क्षेत्र में जनगणना की प्री टेस्टिंग के लिए 57 शिक्षकों की ड्यूटी इस कार्य मे प्रगणक के रूप में लगाई गई है।

जिन्हें तीन दिवसीय ट्रेनिंग नगर निगम मुख्यालय और आईटीआई महिला ओल्ड फरीदाबाद में दी जा रही, यह ट्रेनिंग सेशन 4 नवंबर से 6 नवंबर तक आयोजित की गया है। फरीदाबाद पहुंचे जनगणना निदेशालय हरियाणा के संयुक्त निदेशक लक्ष्मण सिंह रावत ने शिक्षकों को ट्रेनिंग के दौरान जनगणना 2027 से संबंधित जानकारी साझा की और उन्हें किस तरीके से इस जनगणना में कार्य करना है समस्त जानकारियां उपलब्ध करवाई। उन्होंने जानकारी दी कि नगर निगम के पुराने वार्ड 24 में (जनगणना 2011 के अनुसार) जनगणना 2027 की पहली प्री टेस्टिंग कराई जाएगी जाएगी।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार के दिशा निर्देशों पर जनगणना का कार्य 2027 से शुरू होना है। जनगणना की प्रस्तावना को लेकर बैठक में निदेशक जनगणना निदेशालय हरियाणा ललित जैन आईएएस ने 4 अगस्त को निगम आयुक्त धीरेंद्र खडग़टा के साथ बैठक कर इस कार्य की रूपरेखा तैयार की थी। लक्ष्मण सिंह रावत ने बताया कि भारत सरकार के जनगणना के इस कार्य में सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों के साथ-साथ सभी रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन का भी सहयोग लिया जाएगा।

प्री टेस्ट की तैयारियों पर चर्चा के साथ-साथ इस कार्य को सम्पन्न कराने के लिए नोडल ऑफिसर अतिरिक्त निगम आयुक्त डॉ. विजयपाल यादव को नियुक्त किया गया है। बता दें कि वार्ड 24 के लगभग 42 ब्लॉक के अंदर यह जनगणना का सर्वे किया जाएगा,इस कार्य के लिए लगभग 10 पर्यवेक्षक के तौर पर नियुक्त किए जाएंगे,लगभग 57 शिक्षकों की ड्यूटी भी इस कार्य मे प्रगणक के रूप में रहेगी।

प्री टेस्ट से पहले इस कार्य को पूरा करने के लिए यह ट्रेनिंग सेशन आयोजित किया गया है। जिसमें इस कार्य को करने वाले सभी अधिकारी और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बैठक में जनगणना निदेशालय के संयुक्त निदेशक लक्ष्मण सिंह रावत ने प्री टेस्ट से संबंधित सभी जानकारियां शिक्षकों के साथ साझा की। ट्रेनिंग सेशन में सहायक निदेशक कृष्ण कुमार,जिला इंचार्ज जनगणना फरीदाबाद प्रशांत शर्मा,मास्टर ट्रेनर डीसीओ हरियाणा बृजमोहन शर्मा, क्षेत्रीय कर अधिकारी फरीदाबाद सृष्टि बब्बर मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया बताई

फरीदाबाद,एजेंसी।

फरीदाबाद पुलिस द्वारा अलग-अलग माध्यम से आमजन व विद्यार्थियों को जागरूक किया जा रहा है। इसी के तहत बुधवार को फरीदाबाद पुलिस की सामुदायिक पुलिसिंग टीम द्वारा स्टूडेंट पुलिस कैडेट कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक विशेष एसपीसी कक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया एवं मनसा हेल्पलाइन नंबर 1933 बारे में जानकारी दी गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने की प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया, अपराध की सूचना पुलिस को देने के सही तरीके क्या हैं और शिकायत दर्ज करवाने की पूरी प्रक्रिया क्या होती है।

विद्यार्थियों को जागरूक नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके पश्चात नशा मुक्ति अभियान के तहत विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा मनसा हेल्पलाइन नंबर 1933 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। समाज से इस बुराई को खत्म करने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि जब समाज का हर वर्ग, विशेषकर युवा और विद्यार्थी वर्ग, इस लड़ाई में पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर कदम बढ़ाएगा, तब ही फरीदाबाद को नशा मुक्त और अपराध मुक्त शहर बनाया जा सकेगा। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को संकल्प दिलवाया गया कि वे स्वयं कभी नशे का सेवन नहीं करेंगे, दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे तथा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देंगे।

सहकर्मियों पर परेशान करने का आरोप, खुदकुशी का प्रयास किया

गाजियाबाद,एजेंसी।

सिहानी गेट थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक महिला सफाई कर्मचारी के साथ छेड़छाड़ और जबरन संबंध बनाने के दबाव का मामला सामने आया है। मानसिक उत्पीड़न से परेशान महिला ने आत्महत्या का प्रयास किया। फिलहाल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। महिला के पति ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। थानाक्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति पुलिस में दी शिकायत में कहा है कि उनकी पत्नी नोएडा में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत है। बीते 28 अक्तूबर ड्यूटी के दौरान उसके साथ काम करने वाले चिंटू और सुमित ने उसके साथ छेड़छाड़ और बदतमीजी की।

आरोप है कि दोनों ने उनकी पत्नी पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला, लेकिन उसने विरोध कर किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनकी पत्नी ने घटना की शिकायत अपने सुपरवाइजर बबलू पार्चा और राधे पार्चा से की तो उन्होंने कार्रवाई करने के बजाय आरोपियों का ही साथ दिया। इतना ही नहीं, सुपरवाइजरों ने उनकी पत्नी से कहा कि या तो वह चिंटू और सुमित की बात मान ले या फिर एक लाख रुपये देकर अपनी नौकरी बचाए। बात न मानने पर उसे काम से निकाल दिया जाएगा। आरोप है कि लगातार मानसिक शोषण से परेशान होकर उनकी पत्नी ने एक नवंबर की दोपहर करीब ढाई बजे जहरीला पदार्थ पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया।

परिजनों ने तत्काल उसे नजदीकी गाजियाबाद में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई गई है। पीड़ित पति ने दो नवंबर को सिहानी गेट थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय का कहना है कि शिकायत के आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

गंदगी फैलाने पर मोदी मॉल प्रबंधन पर 25 लाख का जुर्माना

नोएडा,एजेंसी।

नोएडा विकास प्राधिकरण की टीम ने बुधवार को सेक्टर-25ए स्थित मोदी मॉल का निरीक्षण किया। प्राधिकरण ने वहां गंदगी मिलने और नियमों का उल्लंघन करने पर प्रबंधन पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। प्राधिकरण के महाप्रबंधक एसपी सिंह ने बताया कि मोदी मॉल प्रबंधन के निरीक्षण में सामने आया कि यहां पर बल्क वेस्ट जनरेटर अपशिष्ट पृथक्करण, भंडारण एवं अपशिष्ट प्रसंस्करण के संदर्भ में सॉलिड वेसट मैनेजमेंट के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है।

मॉल में कचरे का पृथक्कीकरण नहीं किया जा रहा था। यहां कचरा अनाधिकृत कबाड़ियों को दिया जा रहा था, जो कचरे को सड़क पर फेंक रहे थे। महाप्रबंधक ने कहा कि निरीक्षण के दौरान मॉल प्रबंधन और कर्मचारियों ने कोई सहयोग नहीं किया।

सड़क हादसे में दो मासूमों की मौत, चालक फरार

पलवल,एजेंसी।

जिले के खिल्लुका-कोट मार्ग पर देर शाम दर्दनाक सड़क हादसे में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। मीठाका गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने सड़क किनारे खड़े दोनों बच्चों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान खिल्लुका गांव निवासी 13 वर्षीय मुआविया और 14 वर्षीय मोहम्मद अनस के रूप में हुई है।

हादसे में मोहम्मद अनस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल मुआविया ने अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया। शिकायतकर्ता वसीम ने बुधवार को पुलिस को बताया कि वह अपने बेटे मुआविया और मोहम्मद अनस के साथ बाइक से कोट गांव जा रहा था। मीठाका गांव के पास उसने बाइक सड़क किनारे खड़ी की और लघुशंका के लिए चला गया।

इसी दौरान दोनों बच्चे सड़क किनारे खड़े थे कि तभी कोट गांव निवासी तय्यूब अपने ट्रैक्टर को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए आया और दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मोहम्मद अनस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मुआविया गंभीर रूप से घायल हो गया। वसीम ने तुरंत घायल बेटे को ऑटो से अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन जिला अस्पताल के गेट पर ही उसने दम तोड़ दिया।

सूचना मिलते ही बहीन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर ट्रैक्टर चालक तय्यूब के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

अर्वाचीन स्कूल ने 50 रन से मैच जीता

गाजियाबाद,एजेंसी।

दिनेश राज क्रिकेट मैदान में चल रहे बीआर शर्मा टूर्नामेंट में बुधवार को अर्वाचीन स्कूल और रवि ब्रदर्स के बीच मुकाबला हुआ। मैच में अर्वाचीन स्कूल ने 50 रन से जीत हासिल की। टॉस जीतकर रवि ब्रदर्स ने गेंदबाजी चुनी। अरवाचीन स्कूल की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 282 रन बनाए। शिवांश गर्ग ने 104 रन की पारी खेली और कनव ने 43 रन बनाए। विरोधी टीम से सुमित कुमार ने तीन, विष्णु और कार्तिक ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी रवि ब्रदर्स की टीम 40 ओवर में नौ विकेट खोकर 232 रन ही बना पाई। अभिषेक राय ने 101 और निशांत गुप्ता ने 50 रन की पारी खेली। अर्वाचीन स्कूल से पर्व ने दो और शशि ने एक विकेट लिया। शिवांश गर्ग को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

प्रदूषण बढ़ने पर एयर प्यूरीफायर का सहार

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी।

शहर में प्रदूषण की वजह से लोगों सांस की दिक्कत और एलर्जी सहित अन्य परेशानियां हो रही हैं। इससे बचाव के लिए घरों में एयर प्यूरीफायर लगाया जा रहा है। ग्रेनो वेस्ट निवासी आशीष दुबे ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण के कारण एयर प्यूरीफायर का सहारा लेना पड़ रहा है। प्रदूषण से बचाव के पौधे भी लोग घरों में लगा रहे हैं। सोसाइटी के पास लगातार धूल उड़ती है। इससे लोग बीमार भी हो रहे हैं। वहीं, ऐस डिवीनो सोसाइटी के निवासी अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि आरएमसी प्लांट से निकलने वाले धुएं के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। प्रदूषण विभाग से सभी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं हो रहा।

प्रदूषण की रोकथाम के लिए सड़कों पर पानी का छिड़काव भी नहीं हो रहा है।

रास्ते में अकेली खड़ी महिला के साथ छेड़छाड़

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी।

जेवर क्षेत्र के दयानतपुर गांव के समीप मंगलवार की रात एक युवक ने रास्ते में अकेली खड़ी महिला से छेड़छाड़ की। महिला के पति की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक फलैदा गांव निवासी युवक मंगलवार की देर शाम अपनी पत्नी को बाइक पर लेकर जेवर के बाजार जा रहा था। वह दयानतपुर गांव के समीप पहुंचे तो उनकी बाइक में पेट्रोल खत्म हो गया। वह रास्ते में अपनी पत्नी को बाइक के पास अकेली छोड़कर गांव में पेट्रोल लेने चला गया। दयानतपुर गांव निवासी युवक ने रात के अंधेरे में महिला को अकेली खड़ी देखकर छेड़छाड़ की।

इसके बाद आरोपी जंगल की तरफ भाग गया। कुछ देर बाद युवक पहुंचा तो महिला ने आरोपी की हरकत के बारे में बताया। युवक अपनी पत्नी को लेकर जंगल की तरफ गया। यहां एक खेत में ट्यूबवेल पर कई लोग बैठे थे, जिनमें से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को महिला ने पहचान लिया। महिला के पति ने आरोपी की हरकत का विरोध किया तो उसने गाली-गलौज की और धमकी देकर वहां से चला गया। इस मामले की शिकायत पीड़ित ने पुलिस से की। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि एक आरोपी दीपक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

किरायेदार-नौकरों की वैरिफिकेशन का अभियान शुरू

नूंह,एजेंसी।

नूंह पुलिस ने नौकर और किराएदारों की वैरिफिकेशन (सत्यापन) का अभियान शुरू किया है। इसका मकसद आपराधिक तत्वों की पहचान करना है। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने लोगों से अपने-अपने नौकर और किराएदारों की वैरिफकेशन करवाने का आग्रह किया है। यदि कोई लापरवाही बरतता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि असामाजिक तत्वों की पहचान के लिए किरायदारों और नौकरों की पुलिस वेरिफिकेशन जरूरी है। इसमें लोगों को सहयोग करना चाहिए।

उन्होंने बताया कि कुछ आपराधिक किस्म के व्यक्ति जो बाहर से आकर किराए पर रहकर अपराध को अंजाम देकर भाग जाते हैं। उनका रिकार्ड न तो मकान मालिक के पास होता ना पुलिस के पास होता है। इसे देखते हुए किरायेदारों की सत्यापन रिपोर्ट करवाकर संबधित पुलिस थाना में रिकार्ड जमा करवाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा किरायदारों व नौकरों की वेरीफिकेशन हेतु समय-समय पर विशेष अभियान चलाया जाता रहा है। अभियान के तहत जितना जल्दी संभव हो लोग अपने किरादारों व नौकरों का पुलिस वेरिफिकेशन करा लें।

उन्होंने कहा कि वेरीफिकेशन करवाने से यह पता चल जाएगा कि किरायेदार या नौकर किसी अपराधिक मामलें का आरोपी यहां किसी अपराधिक घटना को अंजाम देने वाला व्यक्ति तो नहीं है। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि जिला के सभी व्यापारिक संस्थान, औद्योगिक संस्थान, फैक्ट्रियां, ढाबा व रेस्टोरेंट एवं व ठेकेदारों के पास जितने भी बाहरी राज्यों के कर्मचारी हैं, उनकी पुलिस वेरिफिकेशन करवा कर ही काम पर रखें।

लिव इन में रह रही युवती की हत्या कर शव को बेड में छिपाया

गुरुग्राम,एजेंसी।

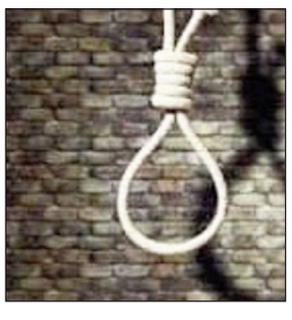

लिव इन में रह रही एक युवती की हत्या कर दी गई। बुधवार को शव से बदबू फैलने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बंद घर को खुलवाकर शव को बेड के नीचे से बाहर निकाला। मृतक युवती की पहचान अंगूरी निवासी कापसहेड़ा के रूप में हुई है। पुलिस युवती के हत्यारे की तलाश में जुट गई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में युवती का गला घोंट कर हत्या करने का पहलु सामने आया है।

हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार करीब डेढ़ साल पहले से अनुज नाम के युवक के साथ अंगूरी लिव इन में रहती थी। 20 दिन पहले ही डूंडाहेड़ा में अनुज के साथ रहने के लिए आई थी। आरोप है कि अनुज सप्ताह भर पहले युवती की हत्या कर मकान को बाहर से बंद कर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार अंगूरी का शव काफी गल चुका था और बदबू आ रही थी। पुलिस ने मौके पर ही एफएसएल टीम को बुलाया और जांच पड़ताल शुरू कर शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में भेज दिया।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि अंगूरी नाम की यह युवती 9 बजे ड्यूटी जाती थी और शाम को 7 बजे वापस आती थी। स्थनीय लोगों के अनुसार युवती को आखिरी बार पिछले शुक्रवार को देखा गया था इसके बाद वह दिखाई नहीं दी। लोगों के अनुसार आज बुधवार को युवती के घर से बदबू आने लगी तब इसकी सूचना पुलिस को दी गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शीशे की दुकान में दबने से मासूम की मौत, एक घायल

गाजियाबाद,एजेंसी।

गाजियाबाद के कवि नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एनडीआरएफ रोड पर स्थित एक शीशे की दुकान में बड़ा हादसा हो गया। दुकान में रखे भारी-भरकम शीशे अचानक गिरने से दुकान मालिक और एक मासूम बच्चा उनके नीचे दब गए। इस हादसे में 12 वर्षीय कैफ की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दुकान मालिक घायल हो गए। घटना देर रात लगभग 8:30 बजे एनडीआरएफ रोड पर एके नाम की शीशे और अल्युमिनियम की दुकान पर हुई। यह दुकान कादिर नामक शख्स की है।

हादसे के वक्त दुकान में मालिक कादिर के साथ 12 साल का मासूम कैफ भी मौजूद था। तभी अचानक से दुकान में रखे शीशे ताबड़तोड़ दोनों के ऊपर गिर पड़े। शीशे की अनगिनत परतें, जो करीब 5 फीट तक ऊंची थीं, के नीचे दोनों दब गए। हादसे की जगह एनडीआरएफ बटालियन के पास होने के कारण राहत कार्य तत्काल शुरू हो गया। सबसे पहले स्थानीय लोग बचाव के लिए दौड़े और उन्होंने शीशे तोड़ने शुरू किए। घटना की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ के जवान भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर मोर्चा संभाला।

पुलिस को सूचना दिए जाने पर तत्काल एंबुलेंस भी बुलाई गई। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दबे हुए लोगों को शीशे तोड़कर बाहर निकाला जा सका। एसीपी कवि नगर, सूर्य बली मौर्य ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि रात लगभग 8:30 बजे यह घटना हुई। मौके पर पहुंची पुलिस टीमों ने तत्काल शीशे हटाए और दोनों घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में उपचार के दौरान 12 वर्षीय कैफ की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। वहीं, जख्मी हुए दुकान मालिक कादिर की हालत अब स्थिर और खतरे से बाहर है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामूली विवाद में महिला को पीटा

नोएडा,एजेंसी।

सर्फाबाद गांव में मामूली विवाद में सात लोगों ने महिला को पीट दिया। इस मामले में महिला की शिकायत पर सेक्टर-113 पुलिस ने तीन महिलाओं समेत कुल सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। थाने में दी शिकायत में सर्फाबाद गांव निवासी महिला ने बताया कि 30 अक्तूबर को शाम करीब पांच बजे उसके घर के सामने वाली इमारत में रहने वाली महिला से उसका विवाद हो गया। उसके साथ तीन महिलाओं समेत सात लोगों ने गाली-गलौज और मारपीट की। आरोपियों ने उसके कपड़े फाड़ने का भी प्रयास किया गया। गुस्से में आकर शिकायतकर्ता महिला ने अपने हाथ की नस काटने की कोशिश की। हालांकि, गाजियाबाद में रहने वाले शिकायतकर्ता के भाई ने बहन को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुत्ते को बिस्किट खिलाने को लेकर विवाद हुआ था।

महिला डॉक्टर का गहनों से भरा बैग चोरी

नोएडा,एजेंसी।

बुलंदशहर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात महिला डॉक्टर का गहनों से भरा बैग नोएडा में गायब हो गया। ई-रिक्शा में सवारी बनकर बैठी महिलाओं ने बातों में उलझाकर घटना को अंजाम दिया। सेक्टर-24 थाना पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। अर्चना सिंह ने पुलिस को बताया कि वह बुलंदशहर के पहासू ब्लॉक स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर हैं। उनका मायका सेक्टर-12 नोएडा में है। वह 27 अक्तूबर की दोपहर करीब 1.30 बजे बस से नोएडा पहुंचीं। मोरना डिपो पर बस से उतरने के बाद वह ई-रिक्शा में बैठकर सेक्टर-12 जा रही थीं। चालक ने ई-रिक्शा में उनके बैठने के बाद नौ और लोगों को बैठा लिया।

इनमें कुछ महिलाएं और कुछ बच्चे थे। पीड़िता ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मोबाइल से उन लोगों का वीडियो बना लिया। मोरना अंडरपास के निकट जब ई-रिक्शा पहुंचा तो उन महिलाओं ने उन्हें बातों में उलझा लिया। महिलाओं के साथ, जो बच्चे थे, वे शरारत करके उनका ध्यान भटका रहे थे। इसी बीच उनका ट्रॉली बैग खोलकर झुमका, पाजेब, पायल 250 ग्राम, नाक की नथ, चार जोड़ी बिछुआ और अंगूठी से भरा बैग निकाल लिया गया।

पीड़िता को इसकी जानकारी घर पहुंचने के बाद हुई, लेकिन तब तक ई-रिक्शा चालक वहां से फरार हो चुका था। पुलिस का कहना है कि घटना स्थल से लेकर पीड़िता के घर तक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही घटना का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

RNI.NO DLHIN/25/A2841
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक देवेंद्र सिंह तोमर द्वारा मै/मारुती नंदन प्रिंटर्स एन्ड पब्लिशर 6/18 समय पुर औद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110042 से छपवाकर, 16/9980 गली No 5, सराय रोहिल्ला,न्यू रोहतक रोड,करोल बाग, नई दिल्ली-110005 से प्रकाशित।
संपादकीय कार्यालय - B4/265B केशव पुरम नई दिल्ली -110005। फोन-011-40106508
मोबाइल-9911466900/ 8076353913। Email.saahassamachardainik@gmail.com
संपादक देवेंद्र सिंह तोमर
इस अंक में प्रकाशित खबरों एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा नई दिल्ली के न्यायालय में होगा।

डेंगू-मलेरिया-चिकनगुनिया को लेकर आप के आरोप भ्रामक राजनीतिः महापौर

महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली नगर निगम नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे निरंतर कार्यरत है।

नई दिल्ली,साहस समाचार।

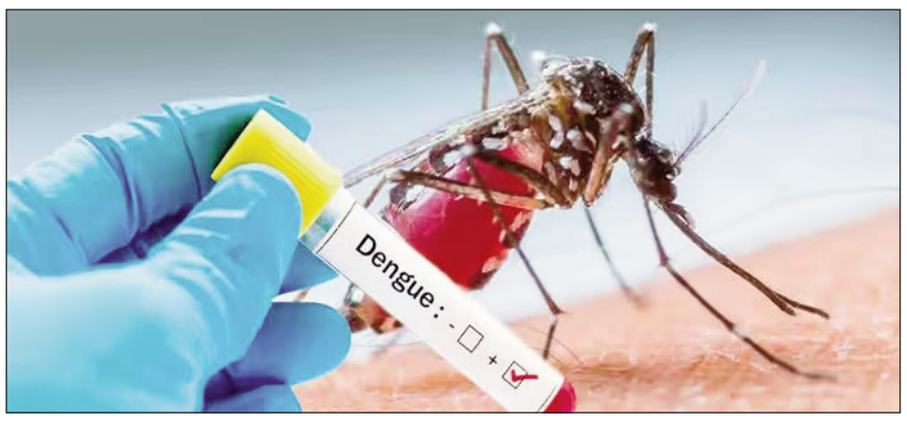

दिल्ली में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के झूठे आंकड़े प्रस्तुत कर आम आदमी पार्टी (आआपा) नागरिकों को भ्रमित और गुमराह करने का प्रयास कर रही है। करने का कार्य कर रही है। इस संबंध में पार्टी द्वारा लगाए गए आरोप पूर्णतः भ्रामक, निराधार एवं राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं। पार्टी हताशा में आकर गलत तथ्यों के माध्यम से इस प्रकार की राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

यह बातें दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने बुधवार को कही। महापौर ने कहा कि दिल्ली नगर निगम नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे निरंतर कार्यरत है। डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया के नियंत्रण हेतु निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूरे शहर में व्यापक फॉगिंग, एंटी-लार्वा स्प्रे एवं जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इस विषय पर राजनीति करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

महापौर ने कहा कि इस वर्ष अक्टूबर माह में डेंगू के केवल 377 मामले सामने आए, जबकि जब आम आदमी पार्टी दिल्ली नगर निगम एवं दिल्ली सरकार में सत्तासीन थी, अक्टूबर 2024 में डेंगू के 2,431 मामले तथा अक्टूबर 2023 में 2,003 मामले दर्ज किए गए थे। उन्होंने कहा कि इन आँकड़ों से स्पष्ट होता है कि आम आदमी पार्टी झूठे तथ्यों के आधार पर राजनीति कर रही है और नागरिकों में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के शासनकाल में केवल प्रचार-प्रसार पर धन व्यय किया गया, जबकि भाजपा लगातार ज़मीनी स्तर पर डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए कार्य कर रही है। यही कारण है कि इस वर्ष पिछली बार की तुलना में डेंगू के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है।

महापौर ने बताया कि अब तक दिल्ली नगर निगम द्वारा 30,52,781 घरों में मच्छररोधी दवा का छिड़काव किया गया है। डीबीसी कर्मचारियों ने कुल 3,21,99,563 घरों का निरीक्षण किया है। मच्छरों की उत्पत्ति पाए जाने पर 1,43,440 कानूनी नोटिस जारी किए गए हैं और 28,028 मामलों में कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि इन आँकड़ों से यह स्पष्ट है कि दिल्ली नगर निगम मच्छर जनित बीमारियों के विरुद्ध ठोस एवं सतत कार्रवाई कर रहा है ताकि नागरिकों को डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सके।

महापौर ने यह भी बताया कि आम आदमी पार्टी ने नगर निगम के एमटीएस (पीएच) कर्मचारियों को हड़ताल के लिए उकसाने का प्रयास किया, ताकि दिल्ली में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के मामलों में वृद्धि हो और उसे राजनीति करने का अवसर मिल सके। किंतु एमटीएस (पीएच) कर्मचारियों ने दिल्ली नगर निगम की भाजपा सरकार पर विश्वास व्यक्त करते हुए हड़ताल समाप्त कर दी।

आईपीयू में पीएचडी विंटर सेशन के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली,साहस समाचार।

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए 22 पीएचडी प्रोग्राम में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की है। आवेदक ऑनलाइन आवेदन एक दिसंबर 2025 तक कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया संपन्न होने के बाद 22 दिसंबर को पीएचडी प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। साक्षात्कार 10 जनवरी 2026 को होने की संभावना है। आईपीयू में जिन क्षेत्रों में पीएचडी के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। उनमें सूचना प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग, औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स, मैनेजमेंट, केमिकल टेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी।

पर्यावरण विज्ञान, मेडिकल साइंसेज, गणित, रसायन विज्ञान, भौतिकी, कानून और कानूनी अध्ययन, मास कम्युनिकेशन, शिक्षा, आर्किटेक्चर और प्लानिंग, अंग्रेजी, डिजास्टर मैनेजमेंट, फॉर्मेसी व डिजाइन शामिल हैं। पीएचडी में दाखिले के लिए योग्यता मानदंड, प्रवेश प्रक्रिया और अन्य जानकारी यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। फुल टाइम स्कॉलर के लिए स्कॉलरशिप का भी प्रावधान है। आईपीयू प्रशासन ने पीएचडी में दाखिला संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए नियमित रुप से वेबसाइट देखते रहने की सलाह दी है।

अवैध रूप से भारत में रह रहा बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली,साहस समाचार।

उत्तर पश्चिम जिले की विदेशी सेल ने अवैध रूप से भारत में रह रहे एक बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर को महेन्द्रा पार्क थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से दो बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र बरामद किए गए हैं। पुलिस ने उसके खिलाफ विदेशी अधिनियम 1946 के तहत कार्रवाई करते हुए निर्वासन (डिपोर्टेशन) की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पकड़े गए आरोपित की पहचा मो. सुमन मियां उर्फ पिंकी के रूप में हुई है।

उत्तर पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बुधवार को बताया कि जिले की विदेशी सेल को हाल ही में सूचना मिली थी कि महेन्द्रा पार्क क्षेत्र के पास गेट नंबर-2, एनएस मंडी के निकट एक संदिग्ध व्यक्ति घूम रहा है, जो संभवतः बांग्लादेशी नागरिक है। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर विपिन कुमार की देखरेख में एक टीम गठित की गई। टीम ने इलाके में निगरानी और तलाशी अभियान चलाया।

इस दौरान संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने पहले खुद को भारतीय बताया, लेकिन जवाबों में विरोधाभास और हावभाव से पुलिस को शक हुआ। जब उसके दस्तावेजों और डिजिटल प्रमाणों की जांच की गई तो यह साबित हुआ कि वह बांग्लादेश का रहने वाला है। लगातार पूछताछ के बाद आरोपित ने अपनी वास्तविक पहचान उजागर करते हुए बताया कि वह बांग्लादेश के जनपद सिलहट का निवासी है।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपित ने अपनी पहचान छिपाने के लिए जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई थी और महिला का रूप धारण कर दिल्ली में रह रहा था। वह दिन में भिक्षावृत्ति करता था और रात में आपत्तिजनक गतिविधियों में लिप्त रहता था। पहचान छिपाने के लिए वह नियमित रूप से साड़ी या सलवार सूट, भारी मेकअप, विग और महिला साज-सज्जा के सामान का उपयोग करता था।

बाइक सवार युवक की हादसे में मौत

नई दिल्ली,साहस समाचार।

द्वारका जिले के डाबड़ी इलाके में तेज रफ्तार दोपहिया वाहन डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में वाहन सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान 19 वर्षीय अभिषेक के रूप में हुई। वह परिवार के साथ महावीर एन्क्लेव इलाके में रहता था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, एम्स ट्रॉमा सेंटर से तीन नवंबर को दुर्घटनाग्रस्त हालत में पहुंचे घायल की मौत होने की सूचना मिली।

जांच में पता चला कि मृतक के दोस्त ने उसे टैक्सी से अस्पताल पहुंचाया था। पुलिस जांच में सामने आया कि महावीर एन्क्लेव डाबड़ी बस स्टैंड के पास 40 फुटा रोड पर अभिषेक का दोपहिया वाहन डिवाइडर से टकराया था। पहले मामला द्वारका सेक्टर 23 का समझा गया था, लेकिन बाद में वहां से इसे डाबड़ी शिफ्ट किया गया। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची तो वहां हादसे का चश्मदीद नहीं मिला।

भाजपा मतदाता सूची में कर रही फर्जीवाड़ाः आप

नई दिल्ली,साहस समाचार।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने भाजपा पर मतदाता सूची में फर्जीवाड़ा करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर सत्ता में बने रहने के लिए अनैतिक हथकंडों का प्रयोग कर रही है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि देश को बचाने के लिए जनता को लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी आवाज बुलंद करनी होगी। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में बड़ी संख्या में फर्जी नाम जोड़े गए हैं, जबकि कई वास्तविक मतदाताओं के नाम बिना कारण सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह षड्यंत्र केवल चुनावी लाभ के उद्देश्य से रचा गया है ताकि विपक्षी दलों के मत प्रतिशत को कृत्रिम रूप से घटाया जा सके।

आप नेता ने भाजपा पर चुनावी प्रक्रिया में बार-बार हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मतदाता सूची में की जा रही छेड़छाड़ लोकतंत्र के लिए घातक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्वाचन आयोग इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं करता तो आम आदमी पार्टी जनांदोलन खड़ा करेगी। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा केवल मतदाता सूची में ही नहीं बल्कि अन्य विषयों पर भी जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ महापौर चुनाव में भाजपा ने मतगणना प्रक्रिया के दौरान फर्जीवाड़ा किया और प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग कर नतीजा अपने पक्ष में करवाया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण के आंकड़ों और यमुना नदी में प्रदूषण के स्तर को लेकर भी आंकड़ों में जानबूझकर हेराफेरी की जा रही है ताकि सरकार की नाकामी छिपाई जा सके। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार आंकड़ों में भ्रम पैदा कर जनता को गुमराह कर रही है, जबकि जमीनी स्थिति बेहद गंभीर है। आप नेता ने कहा कि पूर्व विधानसभा चुनावों के दौरान भी मतदाता सूची में दर्ज सैकड़ों मतदाताओं के नाम असामान्य रूप से काट दिए गए थे, जिसकी शिकायत पार्टी ने आयोग से की थी।

लेकिन संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी अब इस मुद्दे को लेकर जिलास्तरीय बैठकों एवं जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से जनता तक सच पहुंचाएगी। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि लोकतंत्र की बुनियाद निष्पक्ष चुनावों पर टिकी होती है और यदि मतदाता सूची ही संदिग्ध हो जाए तो जनता का भरोसा प्रणाली से उठ जाएगा। उन्होंने जनता से अपील की कि वे अपने नाम मतदाता सूची में अवश्य जांचें और यदि कोई गड़बड़ी मिलती है तो तत्काल निर्वाचन आयोग को सूचित करें।

संगत-पंगत परंपरा ने समाज को भाईचारे की डोर से जोड़ाः रेखा गुप्ता

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को श्री गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व पर पटना साहिब स्थित तख्त श्री हरमंदिर जी में अरदास की। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इसके चित्र साझा करते हुए कहा कि संगत और पंगत की परंपरा ने समाज को समानता, विनम्रता और भाईचारे की डोर से जोड़ा है। श्री गुरु नानक देव जी महाराज की शिक्षाएं हमें सिखाती हैं कि धर्म का सार सेवा में है और मानवता का सत्य प्रेम में।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर पटना साहिब स्थित तख्त श्री हरमंदिर जी में गुरु महाराज की वाणी का स्मरण करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक और दिव्य धरती पर कदम रखते ही हृदय श्रद्धा, शांति और आत्मिक आनंद से भर उठा।

हत्या के प्रयास मामले में आरोपी दोषी करार

नई दिल्ली,साहस समाचार।

रोहिणी कोर्ट की अतिरिक्त सत्र अदालत ने 2018 में हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी मोहम्मद सलीम को दोषी ठहराया है। उस पर आरोप था कि उसने 25 नवंबर 2018 को डाबरी एक्सटेंशन के पास एक व्यक्ति, जग्गी, पर ईंट से हमला किया और फिर उसे चाकू से कई बार गोदा और यही चोटें पीड़ित के जीवन के लिए खतरे का कारण बनीं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धीरेंद्र राणा ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि आरोपी सलीम ने जग्गी को सिर पर ईंट से मारा और जब उसने विरोध किया तो उस पर चाकू से हमला किया। अदालत ने यह भी माना कि आरोपी का इरादा जग्गी की हत्या करने का था, न कि सिर्फ उसे हल्की चोट पहुंचाने का। अदालत ने सलीम के खिलाफ आईपीसी की धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत आरोप तय किए और उसे दोषी ठहराया।

40 लाख का कलश चोरी मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली,साहस समाचार।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर स्थित जैन मंदिर के शिखर पर लगे 40 लाख के कलश चोरी होने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी पहचान मुन्ना उर्फ सलीम के रूप में हुई है। आरोपी के पास से एक चाकू बरामद किया गया है। उसके खिलाफ नंद नगरी में ऑर्म्स एक्ट का एक अलग मामला दर्ज किया गया है।कलश चोरी होने के मामले में पुलिस ने 13 अक्तूकर को अनवरी (42) नामक महिला और दानिश (24) नामक युवक को गिरफ्तार कर दो हिस्सों में कलश को बरामद कर लिया था।

चोरी के बाद मुन्ना उर्फ सलीम ने दो टुकड़ों में कलश इन दोनों आरोपियों को कबाड़ में बेच दिया था। मुन्ना को नहीं पता था कि कलश सोने के साथ-साथ अष्टधातु का बना हुआ है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि 11 अक्तूबर को दुर्गापुरी चौक, ज्योति नगर स्थित जैन मंदिर से पुलिस को एक शिकायत मिली थी। मंदिर समिति के प्रधान नीरज ने बताया था कि किसी ने मंदिर के शिखर पर लगे 40 लाख रुपये के कलश को चोरी कर लिया है। सीसीटीवी की पड़ताल हुई।

जांच के दौरान पता चला कि 10 अक्तूबर को सभी लोग करवाचौथ मनाने में जुटे थे। इसका फायदा उठाकर मुन्ना ने मंदिर की छत पर पहुंचकर शिखर पर लगा कलश चोरी किया। बाद में वह उसे कंधे पर लादकर अपने साथ ले गया। फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी के रूट का पता किया। उसकी पड़ताल करने के बाद टीम ने सुंदर नगरी से अनवरी और बाद में मुस्तफाबाद से दूसरे आरोपी दानिश को दबोच लिया। दोनों के पास से कलश बरामद हो गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने मुन्ना का नाम बताया था। लगातार पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। अब नंद नगरी थाना पुलिस ने उसको गिरफ्तार किया है।

प्रदूषण का क़हरः बच्चों-बुज़ुर्गों को बचाने के लिए घरेलू नुस्खे बने 'ढाल'

नई दिल्ली,साहस समाचार।

राजधानी की हवा लगातार जहरीली होती जा रही है। बढ़ते प्रदूषण स्तर ने लोगों की दिनचर्या और सेहत पर गहरा असर डाला है। ऐसे में महिलाएं परिवार की सेहत के लिए जिम्मेदारी उठा रही हैं। चाहे घर के छोटे बच्चे हों या बुजुर्ग सदस्य महिलाएं हर स्तर पर सतर्क रहकर सांसों की रखवाली कर रही हैं। महिलाएं तुलसी, अदरक की चाय से लेकर पौधे लगावाने तक घरेलू नुस्खों का सहारा ले रही हैं। प्रदूषण के कारण दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार गंभीर श्रेणी में बना हुआ है।

जहरीली हवा के कारण खांसी, गले में खराश, आंखों में जलन और सांस की तकलीफ के मामले बढ़ रहे हैं। हर घर में महिलाएं घरेलू नुस्खों को अपना रही हैं। साथ ही, महिलाएं अब आधुनिक उपाय भी अपना रही हैं। कई घरों में एयर प्यूरीफायर लगाए गए हैं और ऑक्सीजन देने वाले पौधे जैसे मनीप्लांट, एलोवेरा, स्नेक प्लांट और पीस लिली को घर के अंदर सजाया गया है।

गृहिणियां बताती हैं कि सुबह बच्चों को स्कूल भेजने से पहले मास्क पहनाना नहीं भूलते। घर में एयर प्यूरीफायर दिन-रात चलता है, फिर भी डर बना रहता है। वहीं, कार्यरत महिलाएं कहती हैं कि बाहर निकलना अब चुनौती बन गया है, पर परिवार की सेहत की चिंता सबसे ऊपर है। डॉक्टरों का कहना है कि प्रदूषण के इस स्तर पर लोगों को जरूरी सावधानी बरतनी चाहिए, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा के मरीजों को। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि सुबह-शाम टहलने से बचें और घरों में ताजा हवा बनाए रखने के लिए प्राकृतिक तरीकों को अपनाएं।

दो संगीन मामलों में घोषित आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की नॉर्दर्न रेंज-I टीम ने लंबे समय से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी नितेश दहिया उर्फ निटे को गिरफ्तार किया है। आरोपित दो संगीन मामलों अपहरण व हत्या (थाना बवाना) और दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट (थाना कंझावला) में घोषित अपराधी था। इसके अलावा गुरुग्राम पुलिस ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किया था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि साल 2018 में बवाना थाना क्षेत्र में एक युवक साहिल उर्फ गैब्सू के अपहरण व हत्या का मामला दर्ज हुआ था।

जांच के दौरान मृतक की प्रेमिका के बयान में सामने आया कि साहिल को लड़की के पिता विजेंद्र और भाइयों राकेश, मनीष, लोकेश, नितेश दहिया और सौरभ ने मिलकर बेरहमी से पीटा और उसकी हत्या कर दी। बाद में शव को सोनीपत के सिलाना गांव के पास नहर में फेंक दिया गया। आरोपित नितेश को अदालत से 14 दिन की अंतरिम जमानत मिली थी, लेकिन वह फरार हो गया। अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार इसके अलावा साल 2017 में थाना कंझावला में दर्ज मुकदमें में आरोपित नितेश ने एक नाबालिग लड़की को घर से भगाकर शादी कर ली थी। बाद में पुलिस जांच में लड़की की उम्र कम पाई गई और मामला अपहरण व पॉक्सो एक्ट में परिवर्तित कर दिया गया। नितेश इस मामले में भी जमानत पर बाहर आया और अदालत की कार्यवाही से बचता रहा। तीन सितंबर 2025 को अदालत ने उसे इस मामले में भी भगोड़ा घोषित कर दिया।

कांग्रेस ने 'फूल वालों की सैर' आयोजित न होने पर एलजी और मुख्यमंत्री को घेरा

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने 'फूल वालों की सैर' आयोजित न होने पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को घेरा है। दिल्ली में 'फूल वालों की सैर' का आयोजन दो नंवबर को किया जाता है, इस बार दिल्ली विकास प्राधिकरण ने इसके आयोजन कि इजाजज नहीं दी। देवेंद्र यादव ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि 200 वर्ष से भी ज्यादा समय से हर वर्ष आयोजित होने वाले 'फूल वालों की सैर' त्यौहार इस वर्ष राजधानी में आयोजित नहीं हुआ।

यह आयोजन डीडीए और वन विभाग के प्रशासनिक पेच के बीच फस कर रह गया और आयोजकों को इसे रद्द करना पड़ा। 'फूल वालों की सैर' का आयोजन रद्द होने पर भाजपा नेता अथवा मुख्यमंत्री या कोई मंत्री तक कुछ कहने से बच रहे है। देवेंद्र यादव ने भाजपा सरकार पर सदियों पुराने त्यौहार 'फूल वालों की सैर' पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब सरकार के सामने प्रदूषण और बिजली और पानी की कमी जैसी कई समस्याएं हैं, भाजपा अपनी बुनियादी जिम्मेदारी निभाने में असफल तो रही है लेकिन उनका सांस्कृतिक कार्यक्रम बंद करना बेहद निराशाजनक है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि हिन्दु-मुसलमानों के बीच एकता की मिसाल रहे 'फूल वालों की सैर' त्योहार को बंद करने के पीछे कहीं इसका मुगलों से जुड़ा इतिहास तो नहीं, क्योंकि भाजपा शैक्षणिक पाठ्क्रम से मुगल काल के इतिहास और जानकारी को खत्म करने की कवायद कर रही है। उन्होंने कहा कि 1811 से शुरू हुई 'फूल वालों की सैर' को इससे पहले भी अंग्रेजों ने इसे 1942 बंद कर दिया था, जिसे प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु ने 1962 में इसे फिर से शुरु किया।

इसका आयोजन महरौली के जहाज महल आम बाग में मनाया जाता है और ख्वाजा बख्तियार काकी की दरगाह पर फूलों की चादर और योगमाया मंदिर में फूलों का पंखा और छत्र चढ़ाया जाता है। देवेंद्र यादव ने कहा कि 'फूल वालों की सैर' त्योहार सिर्फ एक उत्सव नही, बल्कि दिल्ली की मिली जुली संस्कृति और भाईचारे का एक जीता जागता प्रमाण है, जिसका इस वर्ष न होना निराशाजनक है। इस त्योहार में कुश्ती, कबड्डी, पेंटिंग जेसी प्रतियोगिताओं के अलावा फूल वालों का बाजार भी एक जगह समाहित होता था, जो इस वर्ष भाजपा सरकार की संकुचित सोच और प्रशासनिक दांव पेचों के कारण आयोजित नहीं हो सका।

मिड डे मील के किचन की डिजिटल निगरानी होगी

नई दिल्ली,साहस समाचार।

नगर निगम के स्कूलों में मिड डे मील परोसने वाली एजेंसी के किचन की डिजिटल निगरानी होगी। इसके अलावा जिस भी एजेंसी को ठेका दिया जाएगा उसके गुणवत्ता मानकों की पहले ही विस्तृत जांच की जाएगी। एजेंसी तय होने के बाद भी उसकी लगातार निगरानी होगी। इसके लिए एजेंसी के किचन में अतिरिक्त कैमरे लगाए जाएंगे। मंगलवार को नरेला के घेवरा स्थित मिड डे मील के किचन में निरीक्षण के दौरान कई तरह की खामियां मिलने के बाद निगम की शिक्षा समिति ने कई दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

ऐसे मामलों में लापरवाही बरतने पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। मिड डे मील की गुणवत्ता से जुड़ी प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई के लिए भी कहा गया है। मिड डे मील की शिकायतें की जांच करेंगे मिड डे मील को लेकर मिल रही शिकायतों को दूर करने के लिए नगर निगम की शिक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। इसमें समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा और उपाध्यक्ष अमित खरखड़ी ने शिक्षा विभाग को कई निर्देश दिए।

योगेश वर्मा ने मिड डे मील परोसने वाले सभी संस्थानों के खिलाफ दर्ज हुई शिकायतें पर कार्रवाई की रिपोर्ट भी तलब की है। शिकायतों को दबाने वालों पर सख्त कार्रवाई करेंगे समिति के सदस्यों ने बताया कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बैठक में सूचना दी कि वर्ष 2023 में मिड डे मील की खराब गुणवत्ता के संबंध में निगम मुख्यालय में शिकायत दी गई। इस शिकायत को दबा दिया गया। इसके खिलाफ शिक्षा समिति के अध्यक्ष ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अध्यक्ष ने कहा कि जिस भी अधिकारी ने शिकायत दबाने का कार्य किया है उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

वोट की मंडी में बिक गई मर्यादा

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच रहा है, वैसे-वैसे राजनीतिक मर्यादा, आदर्श चुनाव संहिता और लोकतांत्रिक शुचिता का अंतिम संस्कार खुले मंचों पर होता दिख रहा है। सत्ता पाने की होड़ में सभी दलों ने जिस स्तर तक गिरने में कोई हिचक नहीं दिखाई, वह न केवल लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है, बल्कि जनता की राजनीतिक समझ का भी अपमान है।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता अब सवालों के घेरे में है। आरोप है कि केंद्र सरकार और सत्ताधारी पार्टी के दबाव में आयोग एक बंधुआ संस्थान बन गया है, जो खुले उल्लंघनों पर आंख मूंदे बैठा है। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिहार की महिला मतदाताओं के खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के तहत धनराशि जमा कराने और उसी दौरान चुनावी रैलियों में लोकलुभावन घोषणाएं करने को विपक्ष ने राजनीतिक रिश्वत बताया है। चुनाव आयोग से इस पर कोई कार्रवाई नहीं होना यही दर्शाता है कि आचार संहिता अब सिर्फ कागज़ी औपचारिकता बनकर रह गई है।

वोट पाने की जंग अब विचारों की लड़ाई से हटकर वोट की खरीद-फरोख्त में तब्दील हो चुकी है। यही वजह है कि जहां एक ओर नेता जाति, धर्म और महिलाओं के सम्मान जैसे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर चुनावी थकान मिटाने के लिए नेताओं के लिए ग्लैमर मंडी भी सज रही है।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने राजनीति के इस पतन की परतें उघाड़ दीं झारखंड भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश मंत्री फूल जोशी खुले शब्दों में यह स्वीकार करती नजर आईं कि वह नेताओं को ग्लैमर गर्ल्स उपलब्ध कराती हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें बिहार चुनाव में जय भाजपा, विजय भाजपा अभियान की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता सीधे उनके संपर्क में हैं।

उनकी स्वीकारोक्ति कई बार दो नेता एक ही लड़की से काम चला लेते हैं भारतीय राजनीति की उस सड़ी गली दीवार का चित्रण करती है जिसके भीतर सत्ता की हवस और नैतिकता की मौत एक साथ बसती है।

सवाल यह नहीं कि फूल जोशी कौन हैं, सवाल यह है कि क्या भाजपा जैसी सत्ताधारी पार्टी उनके इस बयान के बाद भी मौन रहेगी? या यह मौन ही इस सड़ी व्यवस्था का हिस्सा है?

यह वही पार्टी है जो बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देती है, मगर जब उसकी एक पदाधिकारी पर बेटियों का सौदा कराने का आरोप लगता है, तो संगठन में कोई हड़कंप नहीं मचता। यह भी सत्य है कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भीतर पिछले कुछ वर्षों में कई यौन उत्पीड़न और शोषण के मामले सामने आए हैं चाहे वह उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश या महाराष्ट्र हो। लेकिन उन मामलों का अंत प्रायः आंतरिक जांच या पार्टी अनुशासन समिति की फाइलों में ही दफन हो जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा नेता जब मंच से यह कहते हैं कि अगर राजद-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनी तो जंगलराज लौट आएगा, तो जनता पूछती है क्या भाजपा में फैला यह नैतिक जंगलराज किसी सभ्यता का प्रतीक है? क्या महिलाओं की गरिमा और दलित समाज की प्रतिनिधि होने के बावजूद एक मंत्री द्वारा इस तरह का बयान देना नए भारत की पहचान है?

बिहार की राजनीति पहले से ही जातीय समीकरणों और लालू-नीतीश की खींचतान में उलझी हुई है। मगर 2025 के इस चुनाव ने इस प्रदेश की जनता को एक और चेहरा दिखाया जहाँ सत्ता की भूख अब सिर्फ वोट तक सीमित नहीं रही, बल्कि शरीरों तक उतर आई है।

राजनीतिक दल अब सामाजिक न्याय या विकास की बात नहीं कर रहे, बल्कि प्रचार की चमक और नेताओं की निजी ख्वाहिशों को ही चुनावी हथियार बना चुके हैं। दुख की बात यह है कि इन सबके बावजूद जनता में वह नैतिक चेतना नहीं दिखती जो ऐसे दलों को सज़ा दे सके। मीडिया का एक बड़ा हिस्सा या तो चुप है, या फिर सत्ता की गोद में बैठा है। जो कुछ बोलने की हिम्मत करता है, उसे देशद्रोही, विपक्षी या प्रचारक पत्रकार कहकर दबा दिया जाता है। सवाल अब सिर्फ बिहार का नहीं है यह पूरे भारतीय लोकतंत्र का सवाल है।

मोकामा: गैंगस्टर बनाम गैंगस्टर की लड़ाई

कुमार कृष्णन

मोकामा में गैंगस्टर-राजनेता के चुनाव कार्यालय के प्रवेश द्वार पर शनिवार को जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरों वाला एक अस्थायी गेट लगाया गया है। मोकामा में अनंत के प्रचार कार्यालय में बैठे कन्हैया कुमार ने कहा, आप जैसे लोगों के लिए वह एक गैंगस्टर हो सकता है, लेकिन हमारे लिए वह हमारा रक्षक है।

नरेंद्र मोदी बिहार में लालू-राबड़ी के जंगल राज की यादें ताजा करते हुए घूम रहे हैं, वहीं मोकामा में एनडीए के बैनरों पर उनकी तस्वीर एक अप्रत्याशित साथी के साथ दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री के चेहरे पर काले चश्मे के पीछे छिपा सख्त, मूंछों वाला चेहरा डॉन से राजनेता बने अनंत सिंह का है। वे पटना से 90 किलोमीटर पूर्व में स्थित उस निर्वाचन क्षेत्र से जनता दल यूनाइटेड के उम्मीदवार हैं, जहाँ हाल ही में एक प्रमुख प्रचारक और पूर्व गैंगस्टर की दुलारचंद यादव की नृशंस हत्या हुई है। काफी हो हंगामे के बाद अनंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। कारण महागठबंधन की ओर से बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान प्रियंका गांधी, तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग के साथ साथ सत्तारूढ़ दल को निशाने पर लिया। चुनाव आयोग और उसके निर्देश को अमल लानेवाले तंत्र पर सवाल उठना जरुरी है। कारण जब चुनाव के पूर्व प्रशासन लाइसेंसी हथियार जमा करवा देता है तो पचास गाड़ियों के काफिले के साथ हथियार लेकर चुनाव में कैसे घूम रहे थे। चार बार विधायक रहे अनंत सिंह का आपराधिक रिकॉर्ड लंबा है, जिसमें हत्या, जबरन वसूली और आगजनी के आरोप शामिल हैं।

बिहार विधानसभा 2025 चुनाव से ठीक पहले मोकामा और अन्य क्षेत्रों में उठे कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर किरकिरी के बाद राज्य के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने स्पष्ट रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि जो भी अपराध या उपद्रवी गतिविधियां होंगी, उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की ढील नहीं बरती जाएगी। मोकामा हत्याकांड और अन्य मामलों में दर्ज विभिन्न कांडों के आधार पर अब तक 80 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। शनिवार को इनमें जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस की छापामारी और गिरफ्तारियां जारी रहेंगी। विनय कुमार ने कहा, जो घटना की प्रथम दृष्टया जानकारी मिली, उसी आधार पर यह गिरफ्तारी की गई है। चुनाव आयोग की तरफ से भी पूरी पैनी नजर रखी जा रही है। जो अधिकारी लापरवाह पाए गए हैं, उनके खिलाफ निलंबन और स्थानांतरण की कार्रवाई की गई है। चुनाव आयोग, राज्य सरकार और बिहार पुलिस किसी भी उपद्रवी तत्व को बख्शने के मूड में नहीं हैं। उन्होंने कहा, जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। जो भी कानून को हाथ में लेंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। युवा भावावेश में आकर इस तरह की गतिविधियों में शामिल न हों, वरना उनका भविष्य बर्बाद हो सकता है। विनय कुमार ने जनता से अपील करते हुए कहा कि सभी शांतिपूर्ण और बुद्धि-विवेक के साथ मतदान करें। किसी भी तरह का हस्तक्षेप कानून के दायरे में आएगा और कार्रवाई की जाएगी। पिछले साल अगस्त में ही उन्हें चुनाव लड़ने की पात्रता मिली, जब पटना उच्च न्यायालय ने शस्त्र अधिनियम के तहत उनकी दोषसिद्धि को रद्द कर दिया। दो वर्ष या उससे अधिक की जेल की सजा पाए अपराधी को अपनी सजा पूरी करने के बाद अगले छह वर्षों तक चुनाव लड़ने से रोक दिया जाता है।

चार बार विधायक रहे अनंत का आपराधिक रिकॉर्ड लंबा है, जिसमें हत्या, जबरन वसूली और आगजनी के आरोप शामिल हैं। पिछले साल अगस्त में ही उन्हें चुनाव लड़ने की पात्रता मिली, जब पटना उच्च न्यायालय ने शस्त्र अधिनियम के तहत उनकी दोषसिद्धि को रद्द कर दिया।

मोकामा में गैंगस्टर-राजनेता के चुनाव कार्यालय के प्रवेश द्वार पर जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरों वाला एक अस्थायी गेट लगाया गया है। ।

मोकामा में गैंगस्टर-राजनेता के चुनाव कार्यालय के प्रवेश द्वार पर शनिवार को जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरों वाला एक अस्थायी गेट लगाया गया है। मोकामा में अनंत के प्रचार कार्यालय में बैठे कन्हैया कुमार ने कहा, आप जैसे लोगों के लिए वह एक गैंगस्टर हो सकता है, लेकिन हमारे लिए वह हमारा रक्षक है। उन्होंने कहा, सूरजभान और उसके गिरोह द्वारा वर्षों तक फैलाई गई हिंसा के बाद उन्होंने यहां शांति सुनिश्चित की। कुमार ने बताया कि 2000 के दशक के प्रारंभ में उन्होंने गिरोह हिंसा में अपने परिवार के तीन सदस्यों को खो दिया था। राजनीति और गैंगलैंड अर्थव्यवस्था दोनों में अनंत के लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी सूरजभान सिंह एक और डॉन से राजनेता बने हैं। हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व विधायक ने अब अपनी पत्नी वीणा देवी के लिए राजद का टिकट हासिल कर लिया है, जो अनंत के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं, जिससे मोकामा में मुकाबला एक उच्च-दांव वाली गैंगस्टर बनाम गैंगस्टर लड़ाई में बदल गया है।

अनंत और सूरजभान दोनों ही प्रभावशाली भूमिहार जाति से हैं और पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने पार्टी में नामांकन और संरक्षण प्राप्त करने के लिए राजनीतिक निष्ठाएं बदली हैं। अनंत ने 2005 और 2010 में जदयू उम्मीदवार के रूप में, 2015 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में और 2020 में राजद उम्मीदवार के रूप में मोकामा सीट जीती थी, लेकिन बाद में उन्हें दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया। उनकी पत्नी नीलम देवी ने राजद के टिकट पर उपचुनाव जीता। विडंबना यह है कि अनंत अब राजद के प्रतिद्वंद्वी जदयू का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सूरजभान ने 2000 में निर्दलीय के रूप में सीट जीती और बाद में लोक जनशक्ति पार्टी के टिकट पर बलिया से सांसद बने। मोकामा का औद्योगिक क्षेत्र, जो बरौनी रिफाइनरी, बरौनी थर्मल पावर स्टेशन, ग्रेफाइट इंडिया और अब बंद हो चुकी भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड जैसी फैक्ट्रियों से भरा हुआ है, लंबे समय से इस क्षेत्र के राजनीतिक-आपराधिक गठजोड़ का आर्थिक आधार रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये गिरोह 1990 के दशक और 2000 के दशक के आरंभ में, प्रसिद्ध लालू-राबड़ी "जंगल राज" के दौरान, अपहरण और जबरन वसूली करते हुए आकर्षक सरकारी और औद्योगिक ठेकों के लिए प्रतिस्पर्धा करते थे। मोकामा रेलवे स्टेशन के पास चाय की दुकान चलाने वाले सुशील कुशवाहा ने कहा, हाल के वर्षों में गैंगवार में कमी आई है। कई विकास परियोजनाएं आने से दोनों पक्षों को ठेका मिल रहे हैं-अब झगड़ा कम हो गया है।

यह असहज शांति गुरुवार को तब भंग हो गई जब मोकामा में इस चुनावी मौसम में पहली हाई-प्रोफाइल राजनीतिक हत्या दर्ज की गई। 75 वर्षीय दुलार चंद यादव, जो डॉन से सामाजिक कार्यकर्ता बने थे और जिन्होंने 1990 के दशक में राजद के संरक्षण में इस क्षेत्र को आतंकित किया था, की उस समय हत्या कर दी गई जब वे प्रशांत किशोर की नई पार्टी जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार प्रियदर्शी पीयूष के लिए वोट मांग रहे थे। एफआईआर के अनुसार, यादव के पैर में गोली मारी गई और फिर थार के पहिये के नीचे कुचलकर उसकी हत्या कर दी गई। एफआईआर में अनंत और उसके साथियों पर हत्या का आरोप लगाया गया है। अनंत के गुर्गों ने पीयूष के खिलाफ जवाबी एफआईआर दर्ज कराई है, जो अब छिप गया है। हालांकि, पत्रकारों से बात करते हुए अनंत ने सूरजभान पर हत्या का आरोप लगाया।

पुलिस के मुताबिक, यादव के काफिले की मुलाक़ात अनंत के काफिले से ताल इलाके में हुई – जो मोकामा की पहचान है। इसके तुरंत बाद गोलीबारी शुरू हो गई।

अनंत ने पत्रकारों से कहा, मैं अपना अभियान चला रहा था जब सूरजभान के आदमियों ने मेरे पीछे वाली गाड़ियों पर हमला किया। मेरा इस हत्या से कोई लेना-देना नहीं है। यह अपराध सूरजभान के इशारे पर किया गया था। शुक्रवार को फिर से हिंसा भड़क उठी, यादव के अंतिम संस्कार के दौरान गोलीबारी हुई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कुछ लोग चिल्लाते हुए दिख रहे हैं कि अनंत सिंह के लोगों ने गोलियां चलाईं। किसी की मौत तो नहीं हुई, लेकिन मतदान से एक हफ़्ते से भी कम समय पहले मतदाताओं में डर का माहौल है। चुनाव आयोग ने शनिवार को यादव की हत्या के मामले में एक पुलिस अधिकारी को निलंबित कर दिया और एक रिटर्निंग ऑफिसर तथा एक अन्य पुलिसकर्मी का तबादला कर दिया। उप-मंडल पुलिस अधिकारी (बाढ़ 2) अभिषेक सिंह को निलंबित कर दिया गया है, जबकि मोकामा के रिटर्निंग ऑफिसर चंदन कुमार और एसडीपीओ (बाढ़ 1) राकेश कुमार का तबादला कर दिया गया है।

चुनाव आयोग ने राज्य सरकार से पटना ग्रामीण के एसपी विक्रम सिहाग की जगह लेने वाले अधिकारियों की सूची भी मांगी है। इससे पहले, जिले के तीन कनिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी चुनाव संबंधी झड़पों को रोकने में विफल रहने के कारण निलंबित कर दिया गया था। बिहार के चुनाव अभियान में तमाम पवित्र बयानबाजी के बावजूद-जैसे कि नौकरियों, विकास और शांति के वादे-मोकामा एक पुरानी पटकथा में फंसा हुआ है, जहां अभी भी बाहुबल ही मतपत्र को निर्धारित करता है। भाजपा की चुनावी मशीनरी अतीत, वर्तमान या भविष्य की सभी हिंसाओं के लिए राजद को दोषी ठहराती है।

खराब मौसम के कारण उड़ान भरने में असमर्थ होने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गोपालगंज में एक चुनावी रैली में कहा, तेजस्वी यादव, जो बिहार को नंबर एक (राज्य) बनाने की बात करते हैं, इसे हत्या, फिरौती, लूटपाट और अपहरण में नंबर एक बनाना चाहते हैं, जैसा कि जंगल राज के दौरान था। इधर मोकामा की सभा में तेजस्वी यादव ने कहा-मैं केंद्रीय मंत्री अमित शाह को बताना चाहता हूं कि मैं डरा हुआ नहीं हूं। मैं एक बिहारी लड़का हूं और 'एक बिहारी, सब पर भारी' है। आपको यह हमेशा याद रखना चाहिए। मैं लालू यादव का बेटा हूं, मैं डरा हुआ नहीं हूं। मैं कभी भी पीएम मोदी और अमित शाह से नहीं डर सकता हूं। सरकार बदलने वाली है, बिहार बदलने वाला है। उन्होंने कहा कि एनडीए को 20 साल मिले, वे जो 20 साल में नहीं कर पाए, हम उसे 20 महीने में कर देंगे। मेरी लड़ाई गरीबी, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के खिलाफ है। इसलिए जनता से तेजस्वी सिर्फ 20 महीने मांग रहा है।

भारत की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता लुप्त

डॉ. वरिंदर भाटिया

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस देश के पहले शिक्षा मंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित मौलाना अबुल कलाम आजाद की याद में हर 11 नवम्बर को मनाया जाता है। वैधानिक रूप से इसका प्रारम्भ वर्ष 2008 से किया गया है। मौलाना अबुल कलाम आजाद का जन्म 11 नवम्बर 1888 को हुआ था। वे भारत के पहले शिक्षा मंत्री थे। मौलाना आजाद एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, कट्टर राष्ट्रवादी और दूरदर्शी शिक्षाविद थे। वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति थे और शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अद्वितीय थी। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग समाज को बदलने और जनता को सशक्त बनाने के लिए किया जा सकता है। भारत के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने देश की आधुनिक शिक्षा प्रणाली की नींव रखी। उनके अथक प्रयासों से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की स्थापना हुई। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रणाली, लेकिन, भारत अब दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी उच्च शिक्षा प्रणाली है, जिसमें 1100 विश्वविद्यालयों सहित 56000 से अधिक उच्च शैक्षणिक संस्थानों में 4.3 करोड़ (43 मिलियन) से अधिक छात्र हैं। हालांकि जहां तक सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) का सवाल है, हमारे देश में चार में से केवल एक युवा को उच्च शिक्षा के लिए कॉलेज जाने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का एक प्रशंसनीय लक्ष्य 2035 तक जीईआर को दोगुना कर 50 फीसदी करना है। इसके अलावा विश्व स्तर पर चीन के बाद भारत अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। 2017 से 2022 तक 13 लाख से अधिक भारतीय छात्र उच्च अध्ययन के लिए विदेश गए। अमेरिका सबसे लोकप्रिय गंतव्य है, जहां 4.65 लाख छात्र रहते हैं। इसके बाद कनाडा (1.83 लाख छात्र), संयुक्त अरब अमीरात (1.64 लाख छात्र) और ऑस्ट्रेलिया (1 लाख छात्र) हैं। भारतीय छात्र अब विश्व स्तर पर 240 से अधिक देशों में पढ़ते हैं। उज्बेकिस्तान, फिलीपींस, रूस, आयरलैंड और किर्गिस्तान जैसे देशों में रुचि बढ़ रही है। कुल मिलाकर, 11.30 लाख से अधिक भारतीय छात्र वर्तमान में विदेशी कॉलेजों में पढ़ रहे हैं। दूसरी ओर, 2021 में भारत में केवल 48000 विदेशी राष्ट्रीय छात्रों का नामांकन हुआ, जिनमें पड़ोसी देशों से आने वाले छात्रों की संख्या सबसे अधिक थी। इसका मतलब है कि भारत अभी भी अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने के मामले में शुरुआती चरण में है, जो इस तथ्य से परिलक्षित होता है कि 45 लाख (4.5 मिलियन) अंतरराष्ट्रीय छात्रों में से केवल 0.6 फीसदी ही भारत को पसंद करते हैं। यहां तक कि उन छात्रों ने कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और दिल्ली जैसे राज्यों में स्थित मुट्ठी भर एचईआई को प्राथमिकता दी, लेकिन अन्य को नहीं। इस पृष्ठभूमि में, एनईपी देश की अत्यधिक विनियमित, नौकरशाही और काफी हद तक बंद शैक्षणिक प्रणाली को दुनिया के लिए खोलने का वादा करती है।

2022 में यूजीसी ने कुछ पात्र विदेशी संस्थानों (दोनों शीर्ष 500 विश्वविद्यालयों और अन्य विदेशी संस्थानों) को भारत में कैंपस स्थापित करने की अनुमति देने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (अंतरराष्ट्रीय शाखा परिसरों और अपतटीय शिक्षा केंद्रों की स्थापना और संचालन) पर विनियम जारी किए। प्राथमिक शिक्षा से लेकर संपूर्ण शिक्षा प्रणाली में सुधार किए बिना अकेले यह उपाय देश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र में कैसे सुधार करेगा, यह स्पष्ट नहीं है। गुणवत्ता मानकों के दृष्टिकोण से, भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली अत्यधिक असंगत और असंतुलित है। हमारे पास बड़ी संख्या में उच्च शिक्षा संस्थान हैं जिनकी शिक्षा की गुणवत्ता हमेशा संदिग्ध रहती है। इसी प्रकार, जिन राज्यों में बड़ी संख्या में कॉलेज हैं वे अच्छी संख्या में उच्च गुणवत्ता वाले कॉलेज बनाने में पीछे हैं। आज देश में ऐसे कॉलेज कम नहीं हैं, जो कहने को तो कॉलेज हैं, मगर छात्रों के लिए बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालय में संबद्ध विद्यालयों का बढ़ता बोझ, पाठ्यक्रमों में बदलाव की मांग और ड्रापऑऊट विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या असली चुनौतियां हैं, जिनका संबंध भी कहीं न कहीं सार्वजनिक शिक्षा के ढहते ढांचे और निजीकरण से ही है। वहीं, उच्च शिक्षा में अध्यापकों के रिक्त पद से जुड़े आंकड़े खुद अपनी हकीकत बताते हैं। इसका बुरा असर उच्च शिक्षा की अकादमिक गुणवत्ता पर पड़ा है।

उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश में देश में सबसे अधिक कॉलेज हैं। इसके बाद महाराष्ट्र और कर्नाटक हैं। लेकिन टॉप 100 कॉलेजों की सूची में यूपी का एक भी कॉलेज शामिल नहीं है। इसमें महाराष्ट्र के बमुश्किल तीन और कर्नाटक के दो कॉलेज शामिल हैं। वास्तव में 80 फीसदी से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले कॉलेज तीन राज्यों तमिलनाडु, दिल्ली और केरल में हैं। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के मामले में देश भर में भारी असमानताओं की व्यापकता को दर्शाता है। यदि हम विश्वविद्यालयों द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम की बात करें तो इसमें और सामाजिक व्यवहार के बीच भी कोई तालमेल नहीं दिखता। दरअसल, उच्च शिक्षा की अध्ययन सामग्री उपयोगी और मानवीय आवश्यकताओं पर आधारित कौशल विकास को बढ़ावा देने वाली होनी चाहिए। इसी प्रकार, उच्च शिक्षा से ड्रापआऊट होने वाले विद्यार्थियों को रोकना और सकल नामांकन अनुपात बढ़ाना भी इस क्षेत्र की एक बड़ी चुनौती है। भारत की उच्च शिक्षा में 18 से 23 वर्ष की आयु वर्ग के अंतर्गत सकल नामांकन अनुपात काफी कम है, जो अन्य विकसित और कई विकासशील देशों की तुलना में बहुत कम है। इससे स्पष्ट होता है कि आज भी देश के करीब 74 प्रतिशत युवा उच्च शिक्षा से बाहर हो जाते हैं। इससे जाहिर होता है कि सभी वर्गों के विद्यार्थियों को समान अवसर देना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना आज भी दूर का सपना है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण उपाय किए जा सकते हैं। शिक्षकों को नियमित और उन्नत प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए, ताकि वे नवीनतम शिक्षण विधियों और तकनीकों से लैस हो सकें।

पाठ्यक्रम को समसामयिक और व्यावहारिक बनाए रखना आवश्यक है, जिससे छात्रों को वास्तविक जीवन में उपयोगी ज्ञान प्राप्त हो। कक्षाओं में आधुनिक तकनीक और डिजिटल उपकरणों का समुचित उपयोग किया जाना चाहिए, जिससे सीखने की प्रक्रिया प्रभावी हो। उच्च शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देना चाहिए। शिक्षा में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए। योग्यतानुसार शिक्षकों का निष्पक्ष चयन होना चाहिए। देश में समान पाठ्यक्रम के लिए समान फीस लागू होनी चाहिए। शिक्षा की गुणवत्ता तकनीक के सदुपयोग से बढ़ाई जा सकती हैं। सीखना ही पर्याप्त नहीं है, उपयोग में लेना भी जरूरी है। सैद्धांतिक शिक्षा महत्वपूर्ण हैं परंतु व्यावहारिक शिक्षा अति महत्वपूर्ण है। असली शिक्षा वह है जो हमारे काम और व्यवहार में झलके। शिक्षा से जुड़े विद्वानों और शिक्षा नीति विशेषज्ञों को इस पर विचार करना ही होगा। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। भारत का पुराना गौरव अभी वापस भारत को दिलाना शेष है।

साइबर ठगी के शिकार लोगों में आईटी में अग्रणी शहरों के लोग ज्यादा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यदि प्रश्न किया जाए कि देश में सूचना प्रोद्यौगिकी में सबसे आगे कौन-सा शहर है तो बिना किसी झिझक एक ही शब्द का उत्तर आयेगा- बेंगलुरु।बेंगलुरू सूचना प्रोद्यौगिकी का बड़ा हब है। उसकी वैश्विक पहचान आईटी हब के रुप में होती है। माना जाना चाहिए कि सूचना प्रोद्यौगिकी या यों कहें कि आईटी में बेंगलुरु वासियों की समझ देश के अन्य प्रदेशों के नागरिकों की तुलना में अधिक ही होगी। बेंगलुरु आईटी हब है तो निश्चित रुप से यहां के निवासियों का साक्षरता स्तर और समझ औरों से अधिक होगी।

अब तस्वीर का दूसरा पहलू जो सामने आता है वह यह कि देश में साइबर अपराधों से पीड़ितों की भी सबसे अधिक संख्या बेंगलुरु में ही है। साल दर साल साइबर अपराध से ग्रसित लोगों की संख्या बेंगलुरु में बढ़ती जा रही है। हालांकि दिल्ली, हैदराबाद आदि में भी साइबर अपराध से जुड़े मामलों की बड़ी संख्या है। देश के केवल तीन शहरों बेंगलुरु, दिल्ली एनसीआर और हैदराबाद में ही साइबर ठगी के अपराधों का प्रतिशत 65 फीसदी है। यह आंकड़ा केन्द्र सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए गठित इंडियन साइबर क्राइम कार्डिनेशन सेंटर आई4सी की हालिया रिपोर्ट में उभर कर आया है। रिपोर्ट के अनुसार अकेले बेंगलुरु में साइबर ठगी के 26.8 फीसदी मामले हो रहे हैं तो दिल्ली एनसीआर में 18.4 और हैदराबाद में 19.97 प्रतिशत मामले सामने आ रहे हैं।

सरकारी आंकड़ों की बात करें तो साल 2024 में 22845 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर ठगी हुई है। इस साल के शुरुआती पांच माह की ही बात की जाए तो भारतीयों ने सात हजार करोड़ रु. से अधिक की राशि साइबर ठगी में गंवा चुके हैं। असल में साल दर साल साइबर ठगी के मामले और ठगी गई राशि में बड़ी बढ़ोतरी हो रही है। यह तब है कि सरकार ने साल 2018 में साइबर ठगी रोकने के लिए आई4सी का गठन किया है। समय-समय पर मोबाइल पर कॉल करते ही साइबर ठगी से बचने का संदेश कॉलर टोन के रुप में होता है तो सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर साइबर ठगों द्वारा अपनाये जाने वाले तरीकों से बचने के लिए आगाह किया जाता रहा है। एक और यह कि साइबर ठगी के खतरों से आज का लगभग प्रत्येक व्यक्ति वाकिफ है लेकिन गलती कर ही रहा है। फिशिंग, स्पूकिंग, स्पैम और साइबर स्टाकिंग के साथ ही डिजिटल अरेस्ट का आज मोबाइल एण्ड्रायड रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति जानकार है।

साइबर ठगी के अधिकांश शिकार पैसे वाले और उसमें भी अधिकांश उच्च पदों से रिटायर्ड अधिकारी होते हैं। उनकी समझ पर किसी तरह का प्रश्न नहीं उठाया जा सकता। यह सब होने के बावजूद चीन, म्यांमार, लाओस, थाईलैंड व ऐसे ही अन्य स्थानों से ठगों द्वारा भारतीयों को पैसे के लालच से जोड़ कर यह अपराध करवा रहे हैं। देखने में यह भी आया है कि साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट चंद मिनटों तक नहीं बल्कि एक-दो दिन या इससे भी अधिक दिनों तक रखकर आसानी से डरा-धमका कर खातों से मोटी धनराशि उगाह ले रहे हैं। इसके शिकार में फंसे लोग इस कदर भ्रमित हो जाते हैं कि लाखों-करोड़ों में राशि देते समय आगे-पीछे की सोचना भूल जाते हैं।

सरकार द्वारा साइबर ठगी के खिलाफ टोल फ्री नंबर जारी करने के साथ अवेयरनेस कार्यक्रम भी लगातार चलाया जा रहा है। आई4सी को सशक्त बनाया जा रहा है। 782 करोड़ रुपए के साइबर सिक्योरिटी प्रोजेक्ट पर भी तेजी से काम हो रहा है। पर दशकों से हाईवे के किनारों पर दिखाई देने वाला स्लोगन सावधानी हटी-दुर्घटना घटी और सतर्कता ही बचाव है- एक समय भले यातायात सुरक्षा के प्रमुख अवेयरनेस संदेश होते थे पर लगता आज साइबर ठगी से बचने के लिए भी यह संदेश अधिक कारगर दिखाई दे रहे हैं। बार-बार यही कहा जाता है कि अनजान नंबरों से आने वाले वीडियो कॉल की अनदेखी करें। इसी तरह मोबाइल या मेल पर आने वाले अनजाने लिंक पर क्लिक करने से भी बचें। कोई कॉल या वीडियो कॉल पर किसी भी तरह का अफसर बनकर कॉल करे तो उसे तरजीह ना दें। ज्यादातर मामलों में आपको या आपके परिवार के निकटस्थ को अवैध गतिविधियों में लिप्त होने का झूठा भय दिखा कर ठगी की जा रही है। यह अब कोई नई बात नहीं रही।

हरियाणा में उच्च स्तरीय साजिश ने कांग्रेस की जीत को हार में बदला: हुड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी।

हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह तथा राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सबूतों के साथ पूरी दुनिया को बता दिया है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में जमकर हेराफेरी हुई है और साजिश के तहत कांग्रेस की जीत को हार में बदला गया है।

राव तथा हुड्डा ने बुधवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अब प्रमाण के साथ खुलासा हो गया है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में दो करोड़ मतदाताओं में से 25 लाख वोटों की हेराफेरी हुई।

इससे स्पष्ट है कि हर आठवां वोट हरियाणा में फर्जी था। उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनाव को धोखा बताया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने इसके माध्यम से जनादेश को पलटने का काम किया है।

जनादेश को कमजोर कर मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर साजिश के तहत उन वोटों की चोरी भाजपा ने की है जिसको सरकार चलाने के लिए जनता ने कांग्रेस को दिया था। उन्होंने कहा कि एक्जिट पोल में कांग्रेस आगे थी और सभी रुझान कांग्रेस को ही जिता रहे थे। दूसरी बड़ी बात यह है कि डाकपत्रों से हुए मतदान और डायरेक्ट मतदान में बड़ा अंतर था जो हरियाणा विधानसभा चुनाव के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लोगों का भरोसा बढ़ा: गिरिराज

पटना, एजेंसी।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हमला बोला है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार समेत देश की जनता आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मे पर विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी या तो अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं या फिर वे राष्ट्र-विरोधी हैं। हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी के खिलाफ और कौन बोलेगा? केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई देशद्रोही ही सेना के शौर्य के खिलाफ बोलेगा, या जो विदेशी ताकतों के हाथों में खेल रहा है, वो ऐसा कहेगा। क्या ये चाहते हैं कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या को सेना में लिया जाए? अपनी जाति की तो उनको जानकारी नहीं।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि मेरा मानना है कि 2010 की तुलना में एनडीए और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लोगों का भरोसा बढ़ा है। हम 121 सीटों में से 90 से ज्यादा सीटें जीतेंगे। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि उनके डीएनए में गुंडागर्दी, अपहरण, हत्या और लूट भरी है। उन पर कौन भरोसा कर सकता है? वे झूठ से भरे हैं। भ्रष्टाचार उनके डीएनए में है। आज लोग सीएम नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा करते हैं, जो वास्तव में गरीबों के लिए काम करते हैं।

गिरिराज सिंह ने कहा कि उन्होंने 15 साल में कुछ नहीं किया, तब भी जब वे नीतीश कुमार के अधीन उपमुख्यमंत्री थे। अगर वे सभी के लिए सुनहरे घर बनाने का वादा भी कर दें तो कोई उन पर विश्वास नहीं करेगा, क्योंकि वे केवल झूठ का कारोबार करते हैं, उनके पास पैसा नहीं है; क्या वे इसे अपने पिता के घर से देंगे? इससे पहले उन्होंने बात करते हुए कहा, मैं बेगूसराय की जनता से शांति और सद्भाव के लिए एनडीए को वोट देने की अपील करता हूं, ताकि 'जंगलराज' और 'गजवा-ए-हिंद' के एजेंडे की वापसी न हो। शांति और विकास को बढ़ावा मिलता रहे।

मैं बुद्धिजीवियों से लेकर गरीबों और मजदूरों तक, सभी से अपील करता हूं कि वोट डालने से एक रात पहले अच्छी तरह सोच-विचार कर लें। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए सरकार लगातार विकास कर रही है। यह बात जनता को भी पता चल गई है, लेकिन विपक्ष के लोग जनता से झूठे वादे करके उनको बहकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनको यह नहीं पता कि जनता उनके बहकावे में नहीं आने वाली है। जनता ने पूरा मन बना लिया है कि फिर से एनडीए को ही सत्ता में वापस लाना है, जिससे बिहार विकसित हो सके।

आगामी विधानसभा में नहीं होगा अन्ना द्रमुक से गठबंधन: विजय

चेन्नई,एजेंसी।

तमिलनाडु में अभिनेता से नेता बने विजय की राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने बुधवार को ऐलान किया कि वह 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों में किसी भी दल से गठबंधन किए बिना, अलग मोर्चा बनाकर चुनावी मैदान में ताल ठोंकेगी। यह ऐलान मामल्लपुरम में पार्टी की विशेष महासभा बैठक में किया गया। इसमें जब पार्टी संस्थापक विजय को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया तो वहां मौजूद हजारों कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की।

इस फैसले से विपक्षी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) को गहरा झटका लगा है, जिसने हाल ही में टीवीके को अपने गठबंधन में शामिल होने का

खुला न्यौता दिया था। करूर में 27 सितंबर को हुई भगदड़ हादसे के बाद, विजय की यह पहली आम मौजूदगी थी। उस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी। बैठक में यह भी यह साफ कर दिया गया कि गठबंधन से जुड़ा कोई भी फैसला विजय ही लेंगे। वे पहले ही जाहिर कर चुके हैं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) उनकी सियासी दुश्मन है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उनकी वैचारिक शत्रु। विजय ने अपने भाषण में मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन पर भी निशाना साधा और कहा कि कोई भी ताकत टीवीके की रफ्तार को नहीं रोक सकती, क्योंकि जनता का समर्थन ही पार्टी की असली ताकत है। बैठक में कुछ प्रस्ताव भी पारित किए गए।

इन प्रस्तावों में निर्वाचन आयोग से मतदाता सूची के विशेष संशोधन को रोकने की मांग की गई, ताकि योग्य मतदाता अपने अधिकार से वंचित न हों। एक अन्य प्रस्ताव में केंद्र और राज्य सरकार, दोनों की आलोचना की गई कि वे मछुआरों की समस्या का स्थायी हल नहीं निकाल सके। ये मछुआरे अक्सर ही श्रीलंका नौसेना के हमलों और गिरफ्तारी का सामना करते हैं। प्रस्ताव में राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति और महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर भी चिंता जताई गई।

कोयंबटूर में एक छात्रा से हुए सामूहिक दुष्कर्म का जिक्र करते हुए पार्टी ने सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। धान खरीद में देरी, औद्योगिक निवेश पर श्वेतपत्र जारी करने की मांग और विजय के सार्वजनिक कार्यक्रमों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था जैसे प्रस्ताव भी महासभा में पारित किए गए।

शब्बीर ने बीआरएस पर मुसलमानों को धोखा देने का आरोप लगाया

हैदराबाद,एजेंसी । वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने बीआरएस पर तीखा प्रहार करते हुए उस पर एक दशक लंबे शासन के दौरान मुसलमानों को गुमराह करने और अल्पसंख्यकों की कल्याण की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। शब्बीर बुधवार को गांधी भवन में मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन और अन्य नेताओं के साथ संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बीआरएस 12 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही और यहां तक कि उसने उच्चतम न्यायालय में मौजूदा चार प्रतिशत आरक्षण के मामले का भी उचित तरीके से बचाव नहीं किया।

केंद्र सरकार ने सिर्फ बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी दी है : प्रियंका गांधी

पटना, एजेंसी।

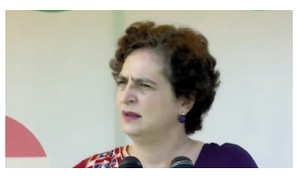

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपके पूर्वजों ने आजादी की लड़ाई लड़ी और आपको एक संविधान दिया। आपके हाथों में शक्ति दी की आप सरकार बनाएं। आज वही अधिकार आपसे छीना जा रहा है। केंद्र सरकार ने सिर्फ बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी दी है।

प्रियंका गाधी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बिहार में महागठबंधन की सरकार बनाइए ताकि हालात बदल सकें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को आम लोगों की समस्याओं से इतर इस बात की फिक्र ज्यादा है कि कांग्रेस के पोस्टर में तेजस्वी यादव की तस्वीर नहीं है। उन्होंने कहा कि आप खुद मंच पर अकेले खड़े हैं नीतीश आपके साथ नहीं खड़े हैं। बिहार की सरकार दिल्ली से चल रही है। सभी निर्णय मोदी ले रहे हैं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि माताएं बहनों की कोई सहायता नहीं करता। चुनाव के पहले जब 10 हजार दिए गए तो सवाल बनता है कि आखिर 20 सालों से यह सहायता क्यों नहीं मिली।

सार समाचार

जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0 का औचारिक उद्घाटन

नई दिल्ली,एजेंसी। पेंशनभोगियों के लिए जीवन प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बुधवार को यहां राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) अभियान 4.0 का औपचारिक शुभारंभ किया। यह योजना देश भर में एक नवम्बर से शुरू है और इसके अंतर्गत पिछले चार दिनों में ही 55 लाख से ज़्यादा डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। यह योजना 30 नवम्बर तक रहेगी और इस दौरान दो करोड़ जीवन प्रमाण पत्र का लक्ष्य रखा गया है। डा. सिंह ने इस अवसर पर पिछले वर्ष के डीएलसी अभियान 3.0 की उपलब्धियों का ज़िक्र करते हुए कहा कि इसमें 52.73 लाख डीएलसी चेहरे के प्रमाणीकरण का उपयोग करके जमा किए गए जबकि 72.64 लाख ईपीएफओ पेंशनभोगियों द्वारा जमा किए गए।

केरल में आबादी से 49 लाख ज्यादा आधार कार्ड होने पर भाजपा ने चिंता जताई

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल में सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के माध्यम से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में 3.60 करोड़ की अनुमानित आबादी के मुकाबले लगभग 4.10 करोड़ आधार कार्ड जारी किए हैं। लगभग 49 लाख अधिक आधार कार्ड जारी करने की इस सूचना के कारण आधार प्रणाली में संभावित विसंगतियों को लेकर राजनीतिक बहस छिड़ गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि यह डेटा उनकी आलोचनाओं की ही पुष्टि करता है, जिसमें वह पिछली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार द्वारा शुरू किए गए आधार प्रणाली पर लगातार सवाल उठाते रहे थे।

श्री चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि आधार को 'अपरिपक्व राजनीतिक इरादे और कमजोर तकनीकी डिज़ाइन' के साथ लागू किया गया था। इसके कारण बड़े पैमाने पर लोगों के दो-दो या दो से ज्यादा कार्ड बन गये और राष्ट्रीय पहचान डेटाबेस में संदिग्ध प्रविष्टियाँ दर्ज हो गयीं।भाजपा नेता ने दावा किया कि अतिरिक्त आधार संख्याओं के कारण मतदाता सूची में अपात्र मतदाताओं के नाम शामिल हो गए होंगे। उन्होंने कहा कि केरल में 4 नवंबर से शुरू हुआ मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 'बेहद महत्वपूर्ण' हो गया है।

बिहार के विकास के लिए बदलाव जरूरी है: अखिलेश यादव

भागलपुर, एजेंसी।

भागलपुर जिले के नाथनगर विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को महागठबंधन के राष्ट्रीय जनता दल (राजद) उम्मीदवार जेड हसन के समर्थन में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जनसभा को संबोधित किया।

नाथनगर के ऐतिहासिक मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि अब समय बदलाव का आ गया है। नाथनगर की जनता जब बदलाव का मन बना लेती है, तब परिवर्तन कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि इस बार जनता का आशीर्वाद जेड हसन को मिलना चाहिए, ताकि

विकास और सामाजिक न्याय को नई दिशा मिल सके। बिना नाम लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर प्रहार करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जिन्होंने जनता से वादे किए थे, वे वादे सिर्फ कागजों पर रह गए। रोजगार, महंगाई, किसान और युवाओं की बात सिर्फ भाषणों में होती रही, जमीन पर कुछ नहीं दिखा।

केटीआर ने रेवंत को हैदराबाद के विकास पर खुली बहस की चुनौती दी

हैदराबाद,एजेंसी।भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने बुधवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को हैदराबाद के विकास पर सार्वजनिक बहस में शामिल होने की खुली चुनौती दी और कहा कि कांग्रेस सरकार अपने दो साल के शासन में कोई भी काम करने में विफल रही है। तेलंगाना भवन में जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र का विकास कार्ड जारी करने के बाद रामाराव ने मुख्यमंत्री पर जुबली हिल्स उपचुनाव में आसन्न हार को लेकर हताशा में व्यक्तिगत हमले करने का आरोप लगाया।

उन्होंने, अगर रेवंत रेड्डी में हिम्मत है, तो वे तारीख, समय और जगह तय करें।

लालू परिवार की पूरी जिंदगी जेल और बेल में गुजरेगी: नड्डा

पूर्वी चंपारण, एजेंसी।

बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के मधुबन स्थित श्रीकृष्ण गौशाला मैदान में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। लालू परिवार को बिहार का सबसे भ्रष्ट परिवार बताते हुए कहा लालू प्रसाद का कार्यकाल जंगल राज था। वो मधुबन से एनडीए से भाजपा के प्रत्याशी के पक्ष में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होने कहा कि डबल इंजन की सरकार राज्य और देश के विकास के लिए काम कर रही है। एक करोड़ नौकरी और अन्य रोजगार के अवसरों को खोला जाएगा। इसके लिए प्रत्येक जिले में मेगा स्किल

सेंटर स्थापित किया जाएगा। मां जानकी पथ से मधुबन, सतरघाट, केसरिया, चकिया और मोतिहारी को जोड़ा जाएगा। हरसिद्धि में बननेवाला एलपीजी गैस बाटलिंग प्लांट का उद्घाटन पीएम मोदी ने किया।

मुजफ्फरपुर की लीची को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के साथ डेयरी उद्योगों को मदद कर आगे बढ़ा रहे हैं। महिला रोजगार योजना के तहत जीविका दीदियों के खाते में 10 -10 हजार रुपये दिये। कहा कि 14 नवंबर के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आप सभी के बैंक खाते में 2-2 लाख रुपये व्यवसाय के लिए देंगे, ताकि आप आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने कहा कि बिहार सहित देशभर में राष्ट्रीय मार्ग, एक्सप्रेस-वे, विश्वस्तरीय आधुनिक रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे ,फोर लेन बनाए गए।

उन्होने लालू प्रसाद यादव के शासनकाल को जंगलराज बताते हुए जमकर प्रहार किया। कहा- शिल्पी गौतम कांड में उनके लोगों का हाथ था। उन सभी को छुड़ाया गया। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी (आइएएस) की पत्नी चंपा विश्वास, उसकी मां और बहन के साथ राजद के जंगलराज में दुष्कर्म हुआ था।सिवान में चंदा बाबू के तीन बेटों को एसिड में डालकर मार दिया गया।

यह सब जंगल राज के नमूने हैं। बिहार का सबसे बड़ा भ्रष्ट परिवार लालू का है। पूरे परिवार की जिंदगी जेल और बेल में गुजरने वाली है।

राहुल गांधी मोदी का विरोध करते करते देश का विरोध करने लगे हैं। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक पर प्रश्न खड़ा किया था। राहुल ने सेना का भी अपमान किया। राहुल गांधी विदेश जाते है तो देश के बारे में गलत बोलते हैं।

बिहार के विकास के लिए इच्छाशक्ति होनी चाहिए, जो राजग में है: योगी

रोहतास/गया, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवारों के पक्ष में गयाजी वरीजगंज तथा रोहतास के सासाराम में जनसभाओं को संबोधित किया और लोगों से समर्थन की अपील की। उन्होंने महागठबंधन पर जमकर निशाना भी साधा।

महागठबंधन पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोगों ने बिहार के नौजवानों के समक्ष पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। अन्नदाता किसान आत्महत्या करने को मजबूर थे और इनके शासन काल में व्यवसाई और महिलाएं असुरक्षित हो गईं थीं, लेकिन आज ये लोग बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से

अपील की कि महागठबंधन को वापस आने नहीं देना है, क्योंकि बीते 20 वर्षों में आपने नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को आगे बढ़ते देखा है। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के लिए इच्छा शक्ति होनी चाहिए, जो राजग के पास है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज देव दीपावली है और लाखों की संख्या में लोग देवताओं के आगमन पर दीप प्रज्वलित करेंगे। इस पर्व पर मिट्टी के दीए बनाने वाले हमारे प्रजापति समाज को हिस्सा जाएगा और दीये में जलने वाले तेल से मतदाता किसानों को फायदा होगा। हमारे सभी पर्व त्योहार प्रमाणित करते हैं कि भारत में सनातन पर्व की परंपरा समाज के हर तबके को जोड़कर उनके स्वालंबन के लिए कार्य करती है। उन्होंने कहा कि हमारे पर्व त्योहार से कोई माली, कोई कुम्हार, कोई पुजारी व अन्य रूप में जुड़कर आस्था का सम्मान कर रहा है और रोजगार का भी सृजन कर रहा है।योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में रोहतास जिले के चर्चित स्नेहा हत्याकांड की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि बीते एक वर्ष पहले सासाराम की एक बेटी वाराणसी में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी, लेकिन उसके साथ एक हादसा हो गया, जिसकी फिलहाल जांच चल रही है। स्नेहा को इंसाफ दिलाने के लिए एसआईटी गठित करेंगे और दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार की धरती को नमन करते हुए कहा कि इसका इतिहास गौरवशाली रहा है।

राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए: शाहनवाज

पूर्णिया,एजेंसी।बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 6 नवंबर को पहले चरण की सीटों पर मतदान होना है। इस बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सेना पर दिए एक बयान को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता शाहनवाज हुसैन ने उन्हें टारगेट पर लिया है। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि राहुल गांधी बयान देने से पहले सोचते नहीं है। जिस तरह का बयान उन्होंने दिया है, उन्हें तुरंत माफी मांगनी चाहिए।

दरअसल राहुल गांधी ने कहा है कि भारतीय सेना में देश की 10 फीसदी आबादी का कंट्रोल है और 90 प्रतिशत (दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक) प्रतिनिधित्व से वंचित हैं।

एसआईआर तकनीकी रूप से पूरी तरह गलत: घोष

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) के नेता कुणाल घोष ने मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाया है। टीएमसी नेता ने कहा कि तकनीकी रूप से यह पूरी तरह असंभव है। अगर आप एक वास्तविक मतदाता और भारत के नागरिक हैं तो आपका नाम एसआईआर में दिखाई देना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है तो इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि आपका नाम सीएए कैंप में घोषित किया जा रहा है तो इसका मतलब होगा कि आप भारतीय नागरिक नहीं हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के वोट चोरी वाले बयान पर टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। जब राहुल गांधी भाजपा के चुनावी कदाचार के खिलाफ बोलते हैं तो उन्हें ऐसा करने का पूरा अधिकार है, क्योंकि भाजपा इन कार्रवाइयों के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के कृत्य भाजपा को बेनकाब करते हैं, लेकिन यह बहुत पहले हो जाना चाहिए था। अगर महाराष्ट्र या दिल्ली में ऐसा होने पर कार्रवाई की होती तो शायद भाजपा वहां सफल नहीं होती।

डायमंड हार्बर विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस के पर्यवेक्षक समीम अहमद ने कहा कि हमारे सांसद अभिषेक बनर्जी ने पार्टी नेतृत्व को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि कोई भी वैध मतदाता छूट न जाए।

गुरु नानक जी का संदेश आज भी प्रासंगिक : दत्तात्रेय होसबोले

नई दिल्ली, एजेंसी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने गुरु नानक देव जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व पर आज गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब में मत्था टेका। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुरु नानक जी का संदेश 'नाम जपना, किरत करनी और वंड छकना' (ईश्वर का नाम जपना, ईमानदारी से मेहनत करना और कमाया धन दूसरों के साथ बांटना) आज भी प्रासंगिक है। सरकार्यवाह ने कहा कि यह गुरु नानक साहिब की 556वीं जयंती है। हम इस पावन अवसर पर अपनी श्रद्धा व्यक्त करने के लिए गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब आए हैं। गुरु नानक जी

ने कहा था कि मानवता सबसे बड़ा धर्म है, यही आज दुनिया का सबसे बड़ा संदेश है। हम सभी को गुरु नानक के दिखाए पथ पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारत के लोगों को गुरु नानक जी के दिखाएं रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। इसमें किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं है, चाहे वह ऊंच-नीच हो, छुआछूत हो, पिछड़ापन हो, अमीर-गरीब हो, या कोई भी धर्म या संप्रदाय हो।

ग्राम धामंदा में सांसद खेल महोत्सव के तहत खेल प्रतियोगिता में शामिल हुए केंद्रीय कृषि मंत्री

शरीर के साथ मन, मस्तिष्क-आत्मा को भी संतुलित रखते हैं खेल: शिवराज

भोपाल, एजेंसी।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। खेल केवल शरीर को स्वस्थ नहीं बनाते बल्कि मन, मस्तिष्क और आत्मा को भी संतुलित रखते हैं। जब कोई युवा खेल मैदान में पसीना बहाता है, तो वह केवल अपनी जीत के लिए नहीं बल्कि अपने व्यक्तित्व के निर्माण के लिए संघर्ष करता है। खेलों से व्यक्ति में अनुशासन, संयम, परिश्रम और टीम भावना जैसे गुणों का विकास होता है, जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता का आधार बनते हैं।

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान

बुधवार को मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के ग्राम धामंदा में सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत आयोजित खेल प्रतियोगिता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने शहीद नायक जितेंद्र कुमार की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और पुष्पांजलि अर्पित की। खेल प्रतियोगिता में प्रदेश के राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा भी शामिल हुए।

कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज 'फिट इंडिया मूवमेंट' और 'खेलो इंडिया' जैसे अभियानों के माध्यम से युवाओं को नयी दिशा दे रहा है। देशभर में खेलों की नई संस्कृति विकसित हो रही है, जिसमें गांवों से लेकर शहरों तक हर प्रतिभा को आगे आने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि हर गांव से खिलाड़ी निकले, हर बच्चा खेलों से जुड़े और भारत खेल के क्षेत्र में भी निरंतर आगे बढ़े।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा ने कहा कि खेल जीवन का सबसे सुंदर अध्याय हैं। खेल हमें सिखाते हैं कि जीत और हार दोनों को समान भाव से स्वीकार करना चाहिए। खेलों से न केवल शरीर मजबूत होता है बल्कि मन भी दृढ़ होता है।

एक खिलाड़ी कभी निराश नहीं होता, वह हर हार से सीखता है और अगली बार और बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लेता है। यही भावना समाज और राष्ट्र निर्माण की असली शक्ति है। खेल युवाओं को अनुशासन, एकता और परिश्रम की राह दिखाते हैं।

उन्होंने कहा कि आज का युवा अगर मैदान में समय देगा तो कल वह किसी न किसी क्षेत्र में अवश्य चमकेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओं में असीम ऊर्जा और प्रतिभा है, जरूरत केवल अवसर और दिशा की है। सांसद खेल महोत्सव जैसे आयोजन इसी दिशा में एक बड़ी पहल हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री एवं राजस्व मंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में सीहोर भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, रायसेन भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष रचना सुरेंद्र मेवाड़ा, पूर्व विधायक रामपाल सिंह, पैरालंपिक जूडो खिलाड़ी कपिल परमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी एवं नागरिक उपस्थित थे।

सार समाचार

उज्जैन में अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी

उज्जैन,एजेंसी। मध्यप्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन स्थित भगवान महाकालेश्वर मंदिर क्षेत्र के सौंदर्यीकरण और सिंहस्थ की तैयारियों को दृष्टिगत रखते हुए करीब दो दर्जन से अधिक मकानों को आज भारी सुरक्षा बल के बीच हटाने का काम अतिक्रमण निरोधक अभियान के तहत शुरू किया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) ने आज एक बड़ा अभियान चला कर प्रशासन के सहयोग से बेगमबाग क्षेत्र के तीन भूखंड पर बने 15 मकान तोड़ दिये। प्राधिकरण के 28 प्लॉट पर यहां कुल 60 मकान बने थे।

अब तक की चार कार्रवाई के दौरान यहां 26 मकान गिराए जा चुके थे। इस कार्यवाही के बाद अब 19 और बचे हैं। इनके प्रकरण न्यायालयीन में विचाराधीन हैं।

भिंड में खाद की 10 हजार बोरी ब्लैक में बिकीं: गोविन्द सिंह

भिंड,एजेंसी। मध्यप्रदेश के भिंड में प्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मंत्री डॉ. गोविंद सिंह ने प्रदेश में खाद की बिक्री पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने सहकारिता मंत्री डॉ. विश्वास सारंग को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि भिंड जिले के लहार और दबोह के वेयरहाउस से 10 हजार से ज्यादा डीएपी और यूरिया की बोरियां ब्लैक में बेची गईं। उन्होंने पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ सिंह ने अपने पत्र में लिखा कि मध्यप्रदेश राज्य विपणन संघ भोपाल के अंतर्गत आने वाले लहार और दबोह के वेयरहाउस से किसानों को मिलने वाली खाद की बोरियां ब्लैक में बेच दीं गईं। उन्होंने बताया कि गोदाम से लगभग 10 हजार से अधिक डीएपी, यूरिया और एनपीके की बोरियां 100 से 200 रुपए प्रति बोरी अधिक कीमत में ब्लैक कर के बेची गईं।

राहुल गांधी के देश विरोधी बयान की कीमत राष्ट्र को चुकाना पड़ती है: राठौड़

जयपुर, एजेंसी।

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने राहुल गांधी द्वारा दिए गए सेना विरोधी बयान और चुनाव आयोग पर लगाए गए बेबुनियाद आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब 55 वर्ष का युवा दिशाहीन होकर बिना सोचे-समझे अनर्गल बयान देने लगता है, तब उसकी कीमत राष्ट्र को चुकानी पड़ती है। राठौड़ ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि जब भी कोई चुनाव आता है, कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी देशविरोधी टूलकिट के सहारे संविधान, न्यायपालिका, चुनाव आयोग और सेना जैसे राष्ट्रीय संस्थानों को निशाना बनाते हैं।

देश में अराजकता कैसे फैलाई जाए, लोगों में भ्रम कैसे पैदा किया जाए और लोकतंत्र एवं संविधान पर चोट कैसे की जाए। यही कांग्रेस की सोची-समझी रणनीति बन चुकी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग पर जो आरोप लगाए हैं, वे झूठे और निराधार हैं। इन आरोपों में न तो कोई तथ्य है और न ही कोई दम। अगर किसी को संदेह है, तो उसे न्यायपालिका का सहारा लेना चाहिए, लेकिन राहुल गांधी तथ्यहीन आरोपों के लिए पहले भी कई बार न्यायालय से फटकार खा चुके हैं।

राठौड़ ने कहा कि वोटर लिस्ट में अगर कोई समस्या है, तो उसके संबंध में निर्वाचन आयोग को सुबूतों के साथ शिकायत करनी चाहिए, लेकिन जैसा कि वह पहले स्वयं स्वीकार कर चुके हैं कि उनका काम देश के लोकतंत्र को बचाना नहीं है, स्पष्ट है कि उनका काम देश के लोकतंत्र को तोड़ना है।

इसके लिए वह निरंतर प्रयास करते रहते हैं। देश के लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए वह विदेशी ताकतों के साथ शामिल हैं। दो महीने विदेश में रहने के बाद लौटकर विदेशी धरती से लाये हुऐ ज्ञान का यहां इस्तेमाल कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव से पहले इस तरह के झूठे आरोप लगाना उनकी हार की हताशा को दर्शाता है।

जब उन्हें पता है कि बिहार में कांग्रेस और महागठबंधन की करारी हार तय है, तभी वह विदेशी महिलाओं के नाम पर वोटिंग लिस्ट में गड़बड़ी जैसे राजनीतिक हथकंडे अपना रहे हैं।

राठौड़ ने कहा कि यह पहला अवसर नहीं है जब राहुल गांधी ने सेना का अपमान किया हो। चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो, एयर स्ट्राइक हो या ऑपरेशन सिंदूर ,हर बार उन्होंने हमारे सैनिकों के मनोबल को तोड़ने का काम किया है।उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अंग्रेजों की "फूट डालो और राज करो" की नीति पर चलते हुए जाति, धर्म और क्षेत्र के नाम पर लोगों को बांटने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि भारत के लोग राष्ट्रप्रथम के भाव से प्रेरित हैं। राठौड़ ने कहा कि इस बार बिहार चुनाव के परिणाम राहुल गांधी को कड़ा संदेश देंगे। भारत की जनता ऐसे देशविरोधी बयानों का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देगी।

मछली पालन में मदद के लिए नदी किनारे बनेंगे कोल्ड स्टोरेज: सुक्खू

शिमला,एजेंसी।

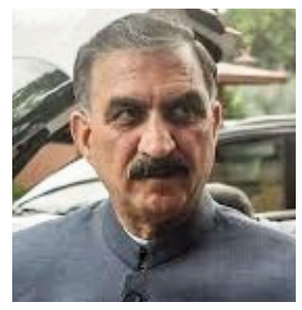

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को मत्स्य पालन विभाग को मछली उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने का निर्देश देते हुए कहा कि नदियों और जलाशयों के किनारे ही नयी हैचरी और कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था की जानी चाहिए। वह यहां विभाग की एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने मछली पालकों की आमदनी बढ़ाने के मकसद से हैचरी और कोल्ड स्टोरेज का निर्माण नदियों और तालाबों के किनारे होना चाहिए, जिससे कि मछली का भंडारण लंबे समय तक हो सके। उन्होंने इसके लिए उपयुक्त जमीन की पहचान करने के भी निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दे रही है और इसमें मत्स्य पालन क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मत्स्य पालन से संबंधित मशीनरी की खरीद पर सब्सिडी देकर किसानों की मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि विभाग को मत्स्य पालन क्षेत्र में आधुनिक तरीकों, उन्नत बीज किस्मों और उभरती टेक्नोलाजी की जानकारी किसानों को देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए अगले सीज़न से राज्य भर के बांधों और जलाशयों में मछली बीज भंडारण बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विभाग को इस कार्य के लिए तैयार रहने और अगले वर्ष के लिए बीज आवश्यकताओं का आकलन करने की भी बात कही। सुक्खू ने कहा कि राज्य में मछली उत्पादन बढ़ रहा है और वित्तीय वर्ष 2024-25 में 19,019 टन मछली उत्पादन रहा था, जबकि इस वर्ष अक्टूबर माह तक 7773 टन मछली उत्पादन मिल चुका है।

बैठक में यह भी जानकारी सामने आयी कि हिमाचल प्रदेश ट्राउट मछली उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है और राज्य सरकार ट्राउट मछली पालकों को प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान की भरपाई के लिए एक कोष स्थापित करेगी। इस बैठक में राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानिया, मत्स्य पालन निदेशक विवेक चंदेल और अन्य वरिष्ठ लोग भी बैठक में शामिल हुए।

युवाओं और महिलाओं का सशक्तिकरण पहली प्राथमिकता होनी चाहिए: आर्या

देहरादून, एजेंसी।

उत्तराखंड की महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने बुधवार को कहा कि प्रदेश एवं देश को विकसित बनाने में युवाओं और महिलाओं का सबसे बड़ा योगदान रहेगा इसलिए उनका सशक्तिकरण पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। श्रीमती आर्या ने आज विधानसभा के विशेष सत्र में यह बात कही। उन्होंने कुल सात विभागों की उपलब्धियां सदन के समक्ष रखी और 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में राज्य किन लक्ष्यों को लेकर चल रहा है इस पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना के समय प्रदेश में कुल 4243 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित थे । 25 साल में इनकी संख्या बढ़कर 20067 हो गई है।

उन्होंने कहा कि इसी साल आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाओं की भर्ती में लगभग 7000 नियुक्तियां की गई है और यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष रही। उन्होंने कहा कि लैंगिक अनुपात के मामले में प्रदेश में 25 साल में बड़ी प्रगति की है। 2001 में लैंगिक अनुपात 1000 के सापेक्ष 962 था जो बढ़कर अब 984 तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि कोविड से प्रभावित कुल 6544 बच्चों को राज्य सरकार 3000 रुपये प्रति माह आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रदेश सरकार ने सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देकर और समान नागरिक संहिता लागू करके बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि शिशु मृत्यु दर राज्य गठन के समय 52 प्रति 1000 लाइव बर्थ थी, जो अब 20 प्रति 1000 रह गई है।

कड़ी से कड़ी को जोड़ने के लिए मोरपाल को जिताओ: राजे

बारां,एजेंसी। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा है कि कड़ी से कड़ी जोड़ने के लिये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी को जितायें। श्रीमती राजे ने बुधवार को राजस्थान में बारां जिले के अंता विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में प्रचार हुए कहा कि सिर्फ मोरपाल सुमन ही अन्ता विधानसभा क्षेत्र के रहने वाले हैं, बाकी प्रत्याशी अन्ता विधानसभा क्षेत्र के बाहर के हैं।

इसलिए घर के बच्चे को जिताओ। उन्होंने कहा कि केंद्र में भी भाजपा की नरेन्द्र मोदी सरकार और राजस्थान में भी भाजपा की भजनलाल शर्मा सरकार है इसलिए कड़ी से कड़ी को जोड़ने के लिए भाजपा प्रत्याशी मोरपाल को जिताओ। भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन निष्कलंक, सज्जन, निष्ठावान और सेवाभावी व्यक्ति हैं। श्रीमती राजे ने कहा, यह अमीर और गरीब की लड़ाई है।

चुनाव परिणाम आने के बाद सबकी हेकड़ी बंद हो जाएगी: तेजप्रताप

पटना, एजेंसी।

जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के प्रमुख तेजप्रताप यादव ने अपनी जीत का दावा करते हुए कहा कि बिहार चुनाव के परिणाम आने के बाद सबकी हेकड़ी बंद हो जाएगी। उन्होंने पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में हम चुनाव लड़ रहे हैं, वहां की सम्मानित और आदरणीय जनता से मेरी अपील है कि विकास के लिए काम करने वालों को वोट दें। हम खासकर महुआवासियों को बताना चाहते हैं कि जो लोग आपके सुख-दुख में साथ खड़े रहे हैं, वे आपके समर्थन के हकदार हैं।

जिन 44 विधानसभा क्षेत्रों में हमारे उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, वहां हर कोई अपने-अपने तरीके से अपील कर रहा है कि वो जो वादा करेंगे, उसे पूरा करने का काम करेंगे। तेजप्रताप ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मैंने एक जयचंद का खुलासा तो कर दिया, चुनाव परिणाम आने के बाद सबकी हेकड़ी बंद हो जाएगी। महुआ विधानसभा सीट को लेकर उन्होंने कहा कि 2015 में मैंने महुआ से चुनाव लड़ा और जीता। महुआ की जनता के प्रेम की बदौलत ही आज हम यहां हैं। इसीलिए जनता से प्रेम तो रहेगा ही।

तेजप्रताप यादव ने एक पोस्ट में लिखा कि चुनाव प्रचार के आखिरी दिन अपनी राजनीतिक कर्मभूमि महुआ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जनसभा को संबोधित किया। महुआ हमारे लिए परिवार और पार्टी से बढ़कर है और हमेशा रहेगा। साथ ही रोड शो के माध्यम से महुआ की जनता-जनार्दन से आशीर्वाद प्राप्त किया। महुआ की पूजनीय जनता-जनार्दन में महुआ मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के बन जाने से बेहद ही खुशी का माहौल है।

उन्होंने आगे कहा कि महुआ के लोगों की खुशी और प्रगति में ही हमारी खुशी है। मुझे पूरा विश्वास है कि महुआ की मालिक जनता जनशक्ति जनता दल को भरपूर आशीर्वाद देने जा रही है। हम महुआ विधानसभा क्षेत्र की जनता-जनार्दन से यह वादा करते हैं कि यहां की सभी बुनियादी सुविधाओं सहित अब आगे एक इंजीनियरिंग कॉलेज, एक स्टेडियम और महुआ को जिला बनाने का काम अवश्य करेंगे।

कार्तिक पूर्णिमा के दिन लाखों लोगों ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

हरिद्वार, एजेंसी।

उत्तराखंड के हरिद्वार में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को आस्था का जन सैलाब उमड़ा, हरकी पैड़ी पर लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। धर्मनगरी में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर आज सुबह तड़के ब्रह्ममुहूर्त से ही हरकी पैड़ी समेत समूचे गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। दूर-दराज़ क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने मां गंगा के पावन जल में डुबकी लगाकर अखंड पुण्य प्राप्त किया। मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से अगणित पापों का नाश होता है और सुख, समृद्धि तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है। हरिद्वार के हरकी पैड़ी, कुशावर्त घाट, सुभाषघाट, से लेकर चंडी घाट तक भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। गंगा तट पर हर-हर गंगे, जय मां गंगे के जयकारों से वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंगा रहा। श्रद्धालुओं ने दीपदान कर परिवार की मंगल कामनाएं कीं और भगवान विष्णु तथा मां गंगा की पूजा-अर्चना की।

कार्तिक पूर्णिमा स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि आज के दिन स्नान करने से सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। साथ ही दीप दान करने से अभीष्ट फल की प्राप्ति होती है। आज के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए।

संपूर्ण मेला क्षेत्र को 11 ज़ोन और 36 सेक्टर में विभाजित किया गया। जल पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फ्लड रेस्क्यू टीम के साथ ड्रोन कैमरों से भी निगरानी की गई। हर की पैड़ी क्षेत्र में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए और भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई।

शोभायात्रा के दौरान दो पक्षों में हिंसक झड़प, 20 से अधिक घायल

गिरिडीह,एजेंसी। झारखंड के गिरिडीह जिले के तारातांड़ थाना क्षेत्र में बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर निकाली जा रही शोभा यात्रा के दौरान दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। मामूली विवाद ने देखते ही देखते उग्र रूप ले लिया और दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी तथा लाठी-डंडे चले। इस घटना में 20 से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद की शुरुआत मंगलवार शाम तुलसी विवाह के दौरान बारात भ्रमण से हुई थी। बुधवार सुबह जब शोभा यात्रा काली मंदिर के समीप पहुंची, तभी दूसरे पक्ष के लोगों ने जुलूस को रोकने का प्रयास किया।

इसका विरोध करने पर दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ी और कुछ लोगों द्वारा वीडियो बनाए जाने की बात को लेकर विवाद और भड़क गया।

अश्विनी चौबे ने एलएन मिश्र हत्याकांड को एक संगठित साजिश बताया

मधुबनी, एजेंसी।

बिहार के मधुबनी में पूर्व केंद्रीय मंत्री ललित नारायण मिश्रा हत्याकांड को लेकर भाजपा नेता अश्विनी चौबे ने बड़ा बयान दिया और औरंगाबाद में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया दी।

भाजपा नेता अश्विनी कुमार चौबे ने बात करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ललित नारायण मिश्रा की हत्या को एक संगठित साजिश बताया। उन्होंने कहा कि 2 जनवरी 1975 को समस्तीपुर में रेलवे लाइन के उद्घाटन के दौरान मंच पर हमला किया गया था, जिसमें मिश्रा की गंभीर चोटों के बाद मौत हो गई थी।

चौबे ने कहा, ललित नारायण मिश्रा उस समय कैबिनेट मंत्री थे। उनके ऊपर मंच पर हमला हुआ और यह हमला तीन लोगों की साजिश का नतीजा था। वहां मौजूद कई लोग घायल हुए थे, जिनमें मिश्रा के भाई जगन नारायण मिश्रा भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि घायल अवस्था में मिश्रा को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और फिर दानापुर रेलवे अस्पताल स्थानांतरित किया गया, जहां उनकी स्थिति लगातार नाजुक बनी रही।

चौबे ने कहा कि इस मामले की सच्चाई सामने लाने की जरूरत अभी भी बनी हुई है।

दूसरी ओर, उन्होंने सेना पर राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर तंज कसते हुए कहा कि भारत के राष्ट्रपति से लेकर भारत के प्रधानमंत्री तक एससी और ओबीसी कोटे से हैं। अश्विनी कुमार चौबे ने आगे कहा कि अंबेडकर को राज्यसभा और लोकसभा जिस खानदान ने नहीं पहुंचने दिया, वह आज संविधान की नकली कॉपी लेकर घूम रहा है। बता दें कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा था कि देश की सेना, कॉर्पोरेट सेक्टर और नौकरशाही पर नियंत्रण देश की सिर्फ 10 प्रतिशत आबादी के हाथों में है।

उन्होंने कहा था, देश की 90 प्रतिशत आबादी (पिछड़े वर्ग, दलित, आदिवासी और अन्य अल्पसंख्यक) कहीं दिखाई नहीं देते।

सभी अवसर सिर्फ 10 प्रतिशत लोगों के पास हैं। राहुल गांधी ने इसे सामाजिक न्याय का मुद्दा बताते हुए कहा था कि देश में राष्ट्रीय जाति जनगणना जरूरी है ताकि पता चले कि विभिन्न वर्गों की वास्तविक हिस्सेदारी कितनी है।

उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा तभी संभव है जब 90 प्रतिशत आबादी को समान भागीदारी मिले। राहुल गांधी ने कहा था, हमें डेटा चाहिए। कितने दलित, ओबीसी, महिलाएं और अल्पसंख्यक प्रणाली में शामिल हैं? अगर 90 प्रतिशत लोगों के पास अधिकार नहीं होंगे तो संविधान सुरक्षित नहीं रह सकता।

खेसारीलाल के बंगले पर अनधिकृत निर्माण, भेजा नोटिस

मीरा भायंदर,एजेंसी। भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और राजद के छपरा से उम्मीदवार खेसारीलाल यादव नई मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। मीरा रोड स्थित उनके आवास पर मीरा भायंदर महानगरपालिका ने नोटिस जारी करते हुए अनधिकृत निर्माण को लेकर सख्त रुख अपनाया है। नगरपालिका की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि खेसारीलाल यादव के घर के बाहर लगाए गए लोहे के एंगल और शेड को तुरंत हटाया जाए, अन्यथा अतिक्रमण विभाग की ओर से बलपूर्वक कार्रवाई की जाएगी। यह मामला तब सामने आया जब महानगरपालिका के क्षेत्र में अतिक्रमण की जांच की गई। इसी दौरान खेसारीलाल यादव के बंगले पर अनधिकृत संरचना पाई गई। खेसारीलाल यादव और उनके परिवार के इस समय बिहार में चुनाव प्रचार में व्यस्त होने के कारण मीरा रोड स्थित उनके घर पर कोई मौजूद नहीं था।

लखपति दीदी केवल आय का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान का प्रतीक है

राजनांदगांव पहुंचने पर राधाकृष्णन का हुआ भव्य स्वागत

राजनांदगांव,एजेंसी।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन बुधवार को स्वर्गीय जुगल किशोर सारडा स्मृति उदयाचल मल्टीस्पेशिएलिटी आई केयर इंस्टीट्यूट और लखपति दीदी सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव पहुंचे, जहां पर उनका भव्य स्वाग किया गया। राधाकृष्णन हेलीकॉप्टर से यहां के पीटीएस ग्राउंड पहुंचे, जहां जिले के संभागायुक्त, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। यहां पहुंचने पर सबसे पहले उन्होंने पांच करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुए स्वर्गीय जुगल किशोर सारडा स्मृति उदयाचल मल्टीस्पेशिएलिटी आई केयर इंस्टीट्यूट का शुभारंभ किया।

इसके बाद उन्होंने संस्थान का निरीक्षण करते हुए अत्याधुनिक नेत्र उपचार सुविधाओं की सराहना की और कहा कि यह अस्पताल ग्रामीण और जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित होगा। इस दौरान राज्यपाल रामेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और नगर निगम महापौर मधुसूदन यादव सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

इसके बाद उपराष्ट्रपति सरकारी उच्च विद्यालय स्कूल मैदान पहुंचे। जहां लखपति दीदी सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में उन्होंने महतारी वंदन योजना की 21वीं किश्त के रूप में 69 लाख सात हजार 615 महिला हितग्राहियों को 646 करोड़ 52 लाख 10 हजार रुपये की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से दिये। साथ ही नियद नेल्लानार योजना के तहत सात हजार 658 हितग्राहियों को 76 लाख 26 हजार 500 रुपये की राशि भी ट्रांसफर किये। दोनों योजनाओं के अंतर्गत कुल 69 लाख 15 हजार 273 हितग्राहियों को 647 करोड़ 28 लाख 36 हजार 500 रुपये की राशि का भुगतान किया गया।

इस दौरान श्री राधाकृष्णन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के स्टॉल का अवलोकन किया और 'लखपति दीदी' बनी महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने कहा, लखपति दीदी केवल आय का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने छत्तीसगढ़ी भाषा में कहा, जम्मो भाई-बहिनी मन ला जय जोहार। उन्होंने राज्य की 25वीं वर्षगांठ पर प्रदेश की प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ अब एक ऊर्जावान और विकसित राज्य के रूप में उभर रहा है। बिजली, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में राज्य ने उल्लेखनीय कार्य किया है।

न्यायपालिका को धन की कमी के लिए हिमाचल सरकार की खिंचाई

शिमला, एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को न्यायपालिका को धन की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने की एक समय सीमा निर्धारित की और निर्देशों का पालन न करने पर संबंधित अधिकारी को अदालत में उपस्थित होने का भी आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने माना कि राज्य में बजटीय आवंटन की कमी के चलते सामान्य अदालती कामकाज बाधित हो रहा है। मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायमूर्ति रंजन शर्मा की खंडपीठ ने अपने हाल के आदेश में बजटीय आवंटन की कमी के कारण सामान्य अदालती कामकाज बाधित होने पर राज्य सरकार को फटकार लगाई।

अदालत ने वित्त सचिव को 13 नवंबर को 10 करोड़ रुपये के ड्राफ्ट के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर अवमानना कार्यवाही शुरू की जाएगी। हालांकि, यदि राशि पहले ही जमा कर दी जाती है तो उपस्थिति आवश्यक नहीं होगी। न्यायालय ने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों और अदालतों को प्रशासनिक खर्चों के भुगतान में लगातार हो रही देरी का हवाला देते हुए 2023 में एक जनहित याचिका के रूप में इस मुद्दे का स्वतः संज्ञान लिया। पीठ ने पाया कि प्रशासनिक लागतों के लिए लगभग 6.88 करोड़ रुपये और वाहन खरीद के लिए 4.07 करोड़ रुपये का बकाया है।

न्यायमित्र नियुक्त वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज गुप्ता ने अदालत को बताया कि सरकार ने मंत्रियों और विधायकों के वेतन वृद्धि लागू करने के बावजूद उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय, दोनों के आदेशों की अनदेखी की है। राज्य की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता अनूप रत्न ने कहा कि मुख्यमंत्री को मामले से अवगत करा दिया गया है। अदालत ने कहा कि न्यायपालिका के धन को रोकना न्यायिक कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप के समान है।

भारत की नजरें सीरीज में बढ़त बनाने पर

क्वींसलैंड,एजेंसी।

भारत गुरुवार को कैरारा ओवल में सीरीज के चौथे टी20 मैच में प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की अनुपस्थिति का फायदा उठाने के इरादे से आत्मविश्वास से भरा हुआ है। ट्रैविस हेड के एशेज सीरीज के लिए स्वदेश लौटने के साथ, ऑस्ट्रेलिया को बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल का सामना करना पड़ेगा, जिससे भारत को अपनी बढ़त का फायदा उठाने और कड़े मुकाबले वाली सीरीज में 2-1 की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करने का सुनहरा मौका मिलेगा।

शुभमन गिल और निडर अभिषेक शर्मा की अगुवाई में भारत का शीर्ष क्रम लगातार लय बना रहा है। सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा बीच के ओवरों में अपनी आक्रामकता और आक्रामकता दिखाते हैं, जो मुश्किल परिस्थितियों को भारत के पक्ष में मोड़ने में सक्षम हैं।

भारत की बल्लेबाजी में गहराई – जिसमें जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे या रिंकू सिंह शामिल हैं – यह सुनिश्चित करती है कि पूरी पारी में दबाव बनाए रखा जा सके, एक ऐसा कारक जो थोड़े अस्थिर ऑस्ट्रेलियाई लाइनअप के खिलाफ निर्णायक साबित हो सकता है। गेंदबाजी आक्रमण भी उतना ही संतुलित है। जसप्रीत बुमराह भारत के अगुआ बने हुए हैं, जबकि अर्शदीप सिंह दूसरे छोर पर गति और नियंत्रण प्रदान करते हैं। वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल की स्पिन जोड़ी मैच आगे बढ़ने के साथ कैरारा की सूक्ष्म स्पिन का पूरा फायदा उठाने के लिए उपयुक्त है, और बीच के ओवरों में विकेट लेने की उनकी क्षमता खेल का रुख बदल सकती है।

हेड की अनुपस्थिति के बावजूद, ऑस्ट्रेलिया मिशेल मार्श, टिम डेविड, मार्कस स्टोइनिस और चंचल ग्लेन मैक्सवेल की आक्रामक बल्लेबाजी पर काफी हद तक निर्भर करेगा। नाथन एलिस और मैथ्यू कुहनेमैन भारत की रन गति पर अंकुश लगाने में अहम भूमिका निभाएंगे, जबकि बेन ड्वारशुइस और जेवियर बार्टलेट तेज गेंदबाजी में गहराई लायेंगे। मेजबान टीम को नियंत्रण हासिल करने के लिए सामूहिक प्रदर्शन की आवश्यकता होगी।

खासकर उस सतह पर जो ऐतिहासिक रूप से लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों के अनुकूल रही है, जहां लगभग 180-190 रनों का प्रतिस्पर्धी स्कोर है। टॉस निर्णायक भूमिका निभा सकता है, क्योंकि टीमें पहले गेंदबाजी करने की संभावना रखती हैं, जिससे कैरारा ओवल की शुरुआती सीम मूवमेंट और बाद के चरणों में स्पिनरों की क्षमता का फायदा उठाया जा सकता है। एक रोमांचक मुकाबले के लिए मंच तैयार है, जहां गति में बदलाव, तेज पारी और रणनीतिक गेंदबाजी बदलाव परिणाम तय कर सकते हैं।

श्रृंखला 1-1 से बराबर होने के साथ, भारत को बढ़त हासिल करने का एक अच्छा मौका दिख रहा है, जबकि ऑस्ट्रेलिया को अपनी उम्मीदों को बनाए रखने के लिए फिर से संगठित होकर पलटवार करना होगा। चौथा टी20 मैच गुरुवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 1:45 बजे शुरू होगा, जिससे प्रशंसकों को तीव्रता, नाटकीयता और क्रिकेट की चमक से भरपूर एक रोमांचक मुकाबले का वादा किया जा सकता है।

टीमें: ऑस्ट्रेलिया: टिम डेविड, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल मार्श (कप्तान), मिशेल ओवेन, मार्कस स्टोइनिस, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), जोश फिलिप (विकेटकीपर), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मैथ्यू कुहनमैन, ग्लेन मैक्सवेल, एडम जम्पा, तनवीर संघा, महली बियर्डमैन।

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी

आईसीसी वनडे रैंकिंग: रोहित शर्मा शीर्ष पर बरकरार

शुभमन गिल और बाबर आजम लुढ़के

नई दिल्ली। आईसीसी ने बुधवार को वनडे के शीर्ष बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग जारी की। रैंकिंग में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अपना पहला स्थान बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के तीसरे वनडे में शतक लगाने के बाद करियर में पहली बार शीर्ष रैंक हासिल की थी। रोहित के अलावा शीर्ष दस में शुभमन गिल, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर भारतीय बल्लेबाज हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड को 3-0 से जीत मिली थी। इस जीत में न्यूजीलैंड के लिए डेरिल मिचेल ने अहम भूमिका निभाई थी और 178 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। इस प्रदर्शन का फायदा मिचेल को हुआ है। उन्होंने वनडे में अपने करियर की अब तक की श्रेष्ठ रैंक हासिल की है। मिचेल तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्हें ताजा रैंकिंग में दो स्थान का फायदा हुआ है।

अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान दूसरे स्थान पर हैं। शुभमन गिल और बाबर आजम दोनों को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के एक भी मैच में बड़ी पारी खेलने में असफल रहे थे। इसका उन्हें नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं बाबर आजम मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच में फ्लॉप रहे थे। इसका उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो वनडे और खेले जाने हैं। बाबर आजम के पास बेहतर प्रदर्शन करते हुए रैंकिंग सुधारने का मौका है।गिल चौथे स्थान पर जबकि बाबर आजम पांचवें स्थान पर हैं। विराट कोहली छठे, श्रीलंका के कप्तान चरिथ असालंका सातवें, आयरलैंड के हैरी टैक्टर आठवें, श्रेयस अय्यर नौवें और वेस्टइंडीज के शाई होप दसवें स्थान पर हैं।

महिला क्रिकेट की सफलता के लिए प्रयासरत लोगों को बधाई: जय शाह

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह ने भारत में महिला विश्व कप 2025 के सफल आयोजन के लिए उन सभी लोगों को बधाई दी है जो लंबे समय से महिला क्रिकेट के विकास के लिए काम कर रहे हैं और उसे सफल होते देखना चाहते हैं।

जय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विश्व कप का एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'मैं लंबे समय से महिला क्रिकेट के प्रति जुनूनी रहा हूं, और हाल ही में आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप की सफलता उन सभी लोगों का प्रमाण है जो वर्षों से इसके विकास और प्रगति को हमारी आंखों के सामने साकार होते देखने के लिए खुले तौर पर और पर्दे के पीछे काम कर रहे हैं।'जय शाह ने बीसीसीआई का सचिव रहते हुए देश में महिला क्रिकेट की बेहतरी के लिए कई बड़े कदम उठाए। सबसे अहम पुरुष और महिला क्रिकेटरों की मैच फीस की राशि को एक समान करना रहा। विमेंस प्रीमियर लीग को शुरू करने में भी जय शाह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। घरेलू स्तर पर महिला क्रिकेट को मजबूत किया गया। इन कदमों ने महिला क्रिकेटरों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाते हुए क्रिकेट पर फोकस करने का आत्मविश्वास बढ़ाया। इसके परिणाम के रूप में हमने महिला विश्व कप में भारतीय टीम को चैंपियन बनते देखा है।

विराट कोहली बर्थडे: कप्तान विराट की सोच ने भारतीय टेस्ट क्रिकेट को हमेशा के लिए बदल दिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली बुधवार को अपना 37वां जन्मदिन मना रहे हैं। विराट कोहली को 'किंग कोहली', 'रन मशीन' और 'चेज मास्टर' कहा जाता है। टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों ही फॉर्मेट में बल्लेबाज कोहली का कोई मुकाबला नहीं है। उनके रिकॉर्ड उनकी क्षमता का प्रदर्शन करते हैं। महान बल्लेबाज होने के साथ-साथ विराट कोहली एक बेहतरीन नेतृत्वकर्ता रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में विराट का बतौर कप्तान असाधारण प्रभाव रहा है।

विराट कोहली 9 दिसंबर 2014 को भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान बने थे। 2014 में एमएस धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया गई थी। सीरीज के बीच में ही धोनी ने टेस्ट फॉर्मेट को अलविदा कह दिया। ऐसी स्थिति में विराट को अचानक टेस्ट की कप्तानी मिली। विराट कोहली ने जनवरी 2022 में टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। लगभग 8 साल की कप्तानी में विराट कोहली ने भारतीय टीम के टेस्ट खेलने के नजरिए और तरीके को पूरी तरह बदल दिया। विराट की कप्तानी में भारतीय टेस्ट क्रिकेट अपने स्वर्णिम दौर से गुजरा। आइए विराट के 37वें जन्मदिन पर जानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में बतौर कप्तान वे क्या बदलाव लेकर आए जिसका परिणाम भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए सुखद रहा।

विराट कोहली बतौर कप्तान टेस्ट क्रिकेट में ऊर्जा, गति और लक्ष्य लेकर आए, जिसने भारतीय टेस्ट क्रिकेट को बदल दिया।टेस्ट क्रिकेट को अपने धीमेपन के लिए जाना जाता है। इस फॉर्मेट में ऊर्जा और जोश कम दिखता है। ऊर्जा और जोश के लिए खिलाड़ियों का फिट होना जरूरी है। विराट ने फिटनेस को प्राथमिकता दी। इसके लिए यो-यो टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया। यो-यो टेस्ट की अनिवार्यता ने भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस दुनिया के किसी भी दूसरे देश के खिलाड़ियों से बेहतर कर दी, जिसका असर क्षेत्ररक्षण और विकेटों के बीच दौड़ में देखने को मिलता है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी बांह पर बनवाई विश्व कप ट्रॉफी की 'टैटू'

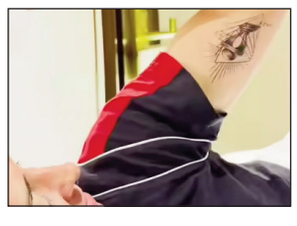

नई दिल्ली। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने 2 नवंबर को इतिहास रचते हुए अपना पहला विश्व कप जीता। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया। भारतीय टीम में शामिल खिलाड़ियों के लिए 2 नवंबर का दिन उस सपने को जीना था जिसे वे और देशवासी वर्षों से देख रहे थे। खिलाड़ी अभी भी विश्व कप में मिली जीत के रोमांच से बाहर नहीं आ पाई हैं और पल-पल उसे जी रही हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तो अपनी बांह पर विश्व कप ट्रॉफी की टैटू ही बनवा ली है।

हरमनप्रीत कौर ने विश्व कप ट्रॉफी की टैटू के साथ ही अपनी बांह पर '2025' और '52' भी गुदवाया है। दरअसल, भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराया था।भारतीय कप्तान ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर नए टैटू की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, ₹यह ट्रॉफी हमेशा के लिए मेरी त्वचा और दिल में बस गई है। पहले दिन से तुम्हारा इंतजार कर रही थी और अब मैं तुम्हें हर सुबह देखूंगी और आभारी रहूंगी।₹विश्व चैंपियन बनने के बाद भारतीय कप्तान ने युवाओं को सपने देखते रहने का मूलमंत्र भी दिया था।

बिजनेस

गुरु नानक जयंती के अवसर पर बंद रहा भारतीय शेयर बाजार

मुंबई। गुरु नानक जयंती के अवसर पर बुधवार के कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार बंद रहेगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की ऑफिशियल वेबसाइट पर दी गई गई जानकारी के अनुसार, इस अवसर पर आज इक्विटिविटी, इक्विटिविटी डेरिवेटिव और एसएलबी सेगमेंट में ट्रेडिंग बंद रहेगी। इसके अलावा, करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट और इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स में भी ट्रेडिंग नहीं होगी।

'एसबीआई रिसर्च' गोल्ड पर एक लॉन्ग-टर्म पॉलिसी को लाए जाने की कर रहा मांग

नई दिल्ली। एसबीआई रिसर्च ने बुधवार को भारतीय अर्थव्यवस्था में कमोडिटी या धन के रूप में पीली धातु सोने की भूमिका परिभाषित करने की जरूरत को देखते हुए गोल्ड पर एक व्यापक लॉन्ग-टर्म पॉलिसी को लाए जाने की मांग की है।

गूगल पेश कर रहा एक नया स्किलिंग प्रोग्राम, भारतीय स्टार्टअप्स को बनाएगा सशक्त

नई दिल्ली। टेक कंपनी गूगल ने बुधवार को गूगल फॉर स्टार्टअप्स इंडिया के तहत स्किलिंग प्रोग्राम लाने की घोषणा की है। कंपनी ने यह प्रोग्राम शुरुआती दौर के फाउंडर्स और नए एंटरप्रेन्योर्स के लिए पेश किया है। ग्रोइंग जेनरेटिव एआई लैंडस्केप में भारतीय स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रोग्राम पेश किया जा रहा है।

यह प्रोग्राम 27 नवंबर से 7 दिसंबर तक की अवधि के लिए लाया जा रहा है, जिसमें प्रतिभागियों को ऑनलाइन ट्रेनिंग दी जाएगी।गूगल की ओर से पेश किया जा रहा है यह प्रोग्राम गूगल टूल जेमिनी, नैनो बनाना और इमेजन का इस्तेमाल कर एआई प्रोटोटाइप्स डेवलप करने पर केंद्रित होगा। प्रोग्राम में पार्टिसिपेट करने वाले प्रतिभागियों को एआई सॉल्यूशन के आइडेशन, डिजाइन और डिप्लॉयमेंट की ट्रेनिंग दी जाएगी।

कंपनी के अनुसार, गाइडेड ऑनलाइन ट्रेनिंग और वर्कशॉप की एक सीरीज के जरिए यह प्रोग्राम नॉन-टेक्निकल और क्रिएटिव फाउंडर्स, साथ ही प्री-एंट्रेप्रेन्योर्स को एआई स्टूडियो में जेमिनी, नैनो बनाना, इमेजन और वेओ जैसे आसान, प्रॉम्प्ट-बेस्ड टूल्स का इस्तेमाल कर प्रोटोटाइप बनाने, डिजाइन करने और वैलिडेट करने को लेकर सशक्त बनाएगा।इसके अलावा, प्रतिभागियों को प्रोग्राम में भाग लेने के लिए सर्टिफिकेट भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। इससे भी बढ़कर प्रतिभागियों को उनके इनोवेशन को शोकेकस करने का अवसर भी मिलेगा। प्रोग्राम के प्रतिभागी अगले वर्ष जनवरी में होने वाले 'बिल्ड द फ्यूचर' शोकेस में प्रवेश के लिए एलिजिबल हो जाएंगे।

गूगल फॉर स्टार्टअप्स इंडिया की हेड रागिनी दास ने कहा, ₹गूगल फॉर स्टार्टअप्स में हमारा लक्ष्य हर एक फाउंडर तक एआई की पावर को पहुंचाना है, जिससे ट्रेडिशनल कोडिंग से जुड़ी बाधाएं खत्म हो सकें। गूगल के फुल स्टैक एआई इकोसिस्टम की स्पीड और इंटीग्रेशन का लाभ उठाते हुए यह प्रोग्राम एंटरप्रेन्योर्स को कॉन्सेप्ट से क्रिएशन की ओर तेजी से विश्वास के साथ आगे बढ़ाएगा।'

गूगल की इस पहल को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के स्टार्ट अप हब, स्टार्टअप इंडिया, इंडियाएआई मिशन और नैसकॉम के समर्थन से पेश किया जा रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के स्टार्टअप हब के सीईओ पन्नीरसेल्वम मदनगोपाल ने कहा कि यह साझेदारी डिजिटल इंडिया और विकसित भारत के विजन को दर्शाती है, जिसमें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी समाधानों को लाने के लिए फाउंडर्स को सशक्त बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है।गूगल की ओर से इस प्रोग्राम के लिए रजिस्ट्रेशन ओपन कर दिए गए हैं। इच्छुक फाउंडर्स और नए एंटरप्रेन्योर्स स्टार्टअप डॉट गूगल डॉट कॉम वेबसाइट पर विजिट कर खुद को रजिस्टर कर सकते हैं।

माइक्रोसॉफ्ट भारत में कोपाइलेट इंटरैक्शन के लिए इन-कंट्री डेटा प्रोसेसिंग करवा रहा उपलब्ध

नई दिल्ली। अमेरिकी टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने बुधवार को घोषणा की कि कंपनी दुनिया भर के 15 देशों में कस्टमर्स के माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपाइलेट इंटरैक्शन के लिए इन-कंट्री डेटा प्रोसेसिंग उपलब्ध करवा रही है।

कंपनी का कहना है कि इस वर्ष के आखिर तक माइक्रोसॉफ्ट चार देशों में कस्टमर्स को माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपाइलेट इंटरैक्शन को देश के अंदर ही प्रोसेस करने का ऑप्शन देगा। इन चार देशों में भारत के अलावा, ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम और जापान का नाम शामिल है।

माइक्रोसॉफ्ट ने आगे जानकारी देते हुए कहा है कि अगले वर्ष 2026 में इस सुविधा को कनाडा, जर्मनी, इटली, मलेशिया, पोलैंड, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित ग्यारह और देशों के लिए पेश किया जाएगा। कंपनी का कहना है कि यह सुविधा ग्राहकों को खासकर सरकारी और अधिक रेगुलेटेड इंडस्ट्रीज में काम करने वालों को सिक्योरिटी और रेगुलेटरी कम्प्लायंस के लिए एक अतिरिक्त विकल्प के साथ माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपाइलेट एक्सेस करने में मदद करेगी। इन-कंट्री प्रोसेसिंग के साथ कोपाइलेट इंटरैक्शन नॉर्मल ऑपरेशन के तहत, देश की सीमाओं के अंदर मौजूद डेटा सेंटर्स में प्रोसेस होते हैं, जिससे ग्राहकों को उनके डेटा पर अधिक कंट्रोल मिलता है।

इसके अलावा, इन-कंट्री डेटा प्रोसेसिंग लेटेंसी को कम कर परफॉर्मेंस को भी बेहतर बना सकती है, जिससे कोपाइलेट को लेकर ग्राहकों का अनुभव पहले से अधिक रिस्पॉन्सिव होता है।

कंपनी का कहना है कि 15 देशों में माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपाइलेट इंटरैक्शन के लिए इन-कंट्री डेटा प्रोसेसिंग जोड़ने के साथ माइक्रोसॉफ्ट अपने ग्राहकों को एआई डेटा प्रोसेसिंग और रेजिडेंसी दोनों की लोकेशन चुनने का ऑप्शन दे सकता है, जिसके साथ माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपाइलेट को बड़े पैमाने पर अपनाने और डिप्लॉयमेंट में मदद मिलेगी।

माइक्रोसॉफ्ट के अनुसार, ग्राहकों के डेटा को लेकर उन्हीं का कंट्रोल होना चाहिए, चाहे वे कहीं से भी काम करें। लोकल रेजिडेंसी से लेकर माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपाइलेट के लिए इन-कंट्री प्रोसेसिंग तक कंपनी सॉवरेनिटी और इनोवेशन एक साथ चलने वाली दुनिया का निर्माण कर रहा है।

मारुति सुजुकी ने भारत में 3 करोड़ कार बिक्री का शानदार आंकड़ा किया पार

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को घरेलू बाजार में कुल 3 करोड़ कार बिक्री का आंकड़ा पार करने की घोषणा की।

कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पहले 1 करोड़ कार बिक्री के आंकड़े तक पहुंचने के लिए मारुति सुजुकी को 28 वर्ष 2 महीने का समय लगा, जबकि अगली 1 करोड़ कार मात्र 7 वर्ष और 5 महीने में बेची गईं।वहीं, 3 करोड़ का मील का पत्थर पहले की तुलना में 6 वर्ष 4 महीने के रिकॉर्ड समय में हासिल किया गया है, जो कि भारतीय ग्राहकों में ब्रांड की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

कंपनी द्वारा बेची गई कुल 3 करोड़ कार में मारुति ऑल्टो कंपनी का बेस्ट सेलिंग मॉडल रहा, जिसकी कुल 47 लाख यूनिट बिक चुकी हैं। इसके बाद वैगन आर की कुल 34 लाख यूनिट और स्विफ्ट की 32 लाख से अधिक यूनिट बेची गई हैं। इसके अलावा, कॉम्पैक्ट एसयूवी जैसे ब्रेजा और हाल ही लॉन्च हुई फ्रॉंक्स ने भी कंपनी की टॉप 10 बेस्ट सेलिंग कार में अपनी जगह बनाई।

मारुति सुजुकी ने अपनी पहली कार आईकॉनिक मारुति 800 एक ग्राहक को 14 दिसंबर 1983 में बेची थी। इसके बाद से कंपनी भारत में कार को लेकर एक लोकप्रिय नाम बन गया। कंपनी वर्तमान में 19 मॉडल में करीब 170 वेरिएंट्स को पेश करती है।

मारुति सुजुकी इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, हिसाशी ताकेउची ने कहा कि यह 3 करोड़ कार बिक्री का मील का पत्थर आंकड़ा उन्हें विनम्रता और कृतज्ञता से भर देता है।ताकेउची ने कहा, 'जब भारत की लंबाई और चौड़ाई की ओर देखता हूं तो सोचता हूं कि 3 करोड़ ग्राहकों ने अपने आगे बढ़ने के सपनों को लेकर मारुति सुजुकी पर अपना भरोसा जताया है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशन ने 60 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी सप्लाई करने के उद्देश्य से आरएसडब्ल्यूएम के साथ की साझेदारी

अहमदाबाद। भारत के लीडिंग टेक्सटाइल मैन्युफैक्चर्रस में से एक आरएसडब्ल्यूएम ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि कंपनी ने 60 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी की सप्लाई के लिए अदाणी एनर्जी सॉल्यूशन लिमिटेड (एईएसएल) के साथ साझेदारी की है।

इस समझौते के तहत, एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी आरएसडब्ल्यूएम की एडिशनल पावर की जरूरत के लिए एईएसएल समग्र ग्रीन पावर वैल्यू चेन के प्रबंधन का काम देखेगा।आरएसडब्ल्यूएम ने रिन्यूएबल ग्रीन जनरेशन कंपनी के साथ मिलकर ग्रुप कैप्टवि स्कीम के तहत 60 करोड़ रुपए का निवेश किया है, जिसके साथ राजस्थान में मौजूद कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स को प्रत्येक वर्ष 31.53 करोड़ यूनिट ग्रीन पावर सप्लाई की जा सकेगी।इस एडिशन के साथ आरएसडब्ल्यूएम की कुल एनर्जी की जरूरत में रिन्यूएबल एनर्जी का योगदान वर्तमान के 33 प्रतिशत से बढ़कर भविष्य में 70 प्रतिशत हो जाएगा, जो कि इसके कुल एनर्जी मिक्स का दो-तिहाई हिस्सा होगा।

आरएसडब्ल्यूएम के चेयरमैन, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ रिजू झुनझुनवाला ने कहा, 'यह सफलता हमारे लॉन्ग-टर्म विजन सस्टेनेबिलिटी के साथ ग्रोथ को दर्शाती है। साथ ही, दूरदर्शी इंडस्ट्रियल लीडर के रूप में हमारी पहचान को मजबूत करती है।'उन्होंने आगे कहा, 'हमारी एनर्जी से जुड़ी जरूरतों के 70 प्रतिशत हिस्से को रिन्यूएबल सोर्स से प्राप्त करना भारत के क्लीन एनर्जी मिक्स 31 प्रतिशत के नेशनल एवरेज से भी अधिक है, जिसके साथ आरएसडब्ल्यूएम रिस्पॉन्सिबल एनर्जी ट्रांजीशन में इंडस्ट्री बेंचमार्क लगातार सेट कर रहा है।'

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड के सीईओ कंदर्प पटेल ने कहा, 'हम आरएसडब्ल्यूएम के साथ इस साझेदारी से बेहद खुश हैं। यह साझेदारी व्यवसायों के लिए सस्टेनेबिलिटी के अहम होने को दर्शाती है।'पटेल ने आगे कहा, 'कमर्शियल एंड इंडस्ट्रियल सेक्टर के लिए एक लीडिंग एनर्जी सॉल्यूशन प्रोवाइडर होते हुए हमारी इनोवेटिव ऑफरिंग के जरिए हम इंडस्ट्रीज को डीकार्बनाइज करने में मदद करते हुए कैटेलिटिक रोल निभाने पर गर्व है।'

एईएसएल के कमर्शियल एंड इंडस्ट्रियल वर्टिकल कस्टमाइज्ड एनर्जी सॉल्यूशन के साथ बल्क इलेक्ट्रिसिटी यूजर्स को सर्विस प्रदान करते हैं। विश्वसनीय, प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर और अधिक से अधिक ग्रीन पावर के साथ एईएसएल व्यवसायों को अलग-अलग सेक्टर्स में ऑपरेशनल और सस्टेनेबिलिटी जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है। कंपनी ने अगले पांच वर्षों में 7000 मेगावाट के सीएंडआई पोर्टफोलियो का टारगेट सेट किया है।

आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक राजीव गुप्ता ने कहा, 'यह साझेदारी 60 करोड़ के इक्विटी इन्वेस्टमेंट के साथ हमारी सस्टेनेबिलिटी यात्रा में एक मील का पत्थर है। यह ग्लोबल क्लीन एनर्जी बेंचमार्क के साथ हमारे बेहतरीन काम करने की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।'

उन्होंने आगे कहा कि हाइब्रिड पावर को इंटीग्रेट करते हुए आरएसडब्ल्यूएम न केवल अपने कार्बन फुटप्रिंट कम कर रहा है बल्कि लॉन्ग-टर्म एनर्जी सिक्योरिटी और परिचालन कुशलता भी बढ़ा रहा है।

मोनालिसा जल्द फिल्मों में कर रहीं एंट्री

नई दिल्ली। कहते हैं किस्मत का सिक्का जब पलटता है तो फर्श से अर्श तक पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लगता है। आज के दौर में इंटरनेट के एक ऐसी चीज है, जिसने ना जाने कितने लोगों की किस्मत में चार चांद लगाए हैं। नाम, शोहरत, पैसा...सबकुछ इंटरनेट ने दिया है। अब आपको इसी साल महाकुंभ के मेले में वायरल हुईं मोनालिसा तो याद होंगी ही। मोनालिसा भोसले (Monalisa Bhosle) आज इंटरनेट सेंसेशन बन गई हैं। महाकुंभ से वायरल होने के बाद उनकी किस्मत ऐसी चमकी कि फिल्मी दुनिया के दरवाजे उनके लिए खुल गए। अब मोनालिसा का एक नया लुक आ गया है जिसमें वो गजब की दिख रही हैं।

मोनालिसा ने फिर बदला अपना लुक

हाल ही में मोनालिसा का नया लुक सामने आया है। इस लुक में मोनालिसा घुंघराले बालों में नजर आ रही हैं। एथनिक आउटफिट में नजर आईं मोनालिसा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अपने नए लुक के साथ मोनालिसा ने एक्सपेरिमेंट भी किया है। मोनालिसा ने इस लुक में ना सिर्फ पैपराजी को पोज दिए बल्कि फैन्स के साथ तस्वीरें खिंचवाती भी नजर आईं। अब सोशल मीडिया पर मोनालिसा के इस लुक की तारीफें हो रही हैं और ये वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है। दरअसल मोनालिसा अपनी फिल्म 'लाइफ' के एक इवेंट के लिए हैदराबाद पहुंची थीं, जहां से उनका ये लुक सामने आया है। मोनालिसा की ये तेलगू फिल्म होगी, जिसमें वो नजर आएंगी।

जल्द ही फिल्मों में दिखेंगी मोनालिसा

आपको बता दें कि महाकुंभ में माला बेचकर वायरल हुईं मोनालिसा की किस्मत अब बिल्कुल बदल गई है। इस तेलगू फिल्म के अलावा मोनालिसा कई और फिल्मों में भी दिखेंगी। दरअसल महाकुंभ 2025 में वायरल होने के बाद मोनालिसा गांव वापस चली गईं थीं, लेकिन फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा उन्हें ढूंढते हुए घर तक पहुंचे और फिर उन्हें फिल्म ऑफर की। इसके बाद उन्होंने मोनालिसा को पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ एक्टिंग की ट्रेनिंग दी।

कैसे रहना है, कैसे पोज देना है और कैसे एक्टिंग करनी है, ये सब उन्होंने सिखाया। मोनालिसा सनोज मिश्रा की फिल्म द डायरी आफ मणिपुर से डेब्यू कर रही हैं। फिल्म की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है। इससे पहले मोनालिसा एक म्यूजिक वीडियो में भी दिख चुकी हैं।

आपको बता दें कि गरीब घर से आने वाली मोनालिसा बंजारा समाज से आती हैं। महाकुंभ में माला बेचकर जैसे-तैसे वो परिवार का भरण-पोषण करने की कोशिश कर रही थीं। इसी बीच उनका किसी ने वीडियो बनाया और वायरल कर दिया। मोनालिसा की आंखों पर फैंस ऐसे फिदा हुए कि सीधे ही उन्हें स्टार बना दिया और अब तो मोनालिसा एक स्टार की तरह ही पैपराजी को पोज देती हैं।

'बहुत मिस करता हूं यार,' सतीश शाह की याद में फिर छलका राकेश बेदी का दर्द

मुंबई। भारतीय मनोरंजन जगत के लिए अभिनेता और कमीडियन सतीश शाह का जाना एक बड़ा झटका है। अभिनेता के निधन से आहत अभिनेता राकेश बेदी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने दर्द को बयां को किया है।

अभिनेता ने पोस्ट में कहा कि वह अपने दोस्त को बहुत मिस करते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सतीश शाह के साथ ली गई अपनी एक पुरानी तस्वीर को साझा करते हुए राकेश बेदी ने कैप्शन में लिखा, ' कितना याद आते हो यार तुम। तुम तो बस गए हो मुझमें।' अभिनेता सतीश शाह का 25 अक्टूबर को मुंबई के हिंदूजा अस्पताल में निधन हो गया था। उन्होंने 74 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली।

राकेश बेदी ने हाल ही में कई पोस्ट कर अपने दुख को व्यक्त किया था। शाह और बेदी की दोस्ती की बात करें, तो दोनों की मुलाकात फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) में हुई थी। राकेश बेदी और सतीश शाह ने कई प्रोजेक्ट्स में साथ काम किया। टीवी पर 'ये जो है जिंदगी' उनका आइकॉनिक शो था, जहां राकेश राजा और सतीश बहुरूपिया बने। दोनों ने साथ में कई फिल्मों और शोज में हंसी बिखेरी।सतीश शाह ने पांच दशकों से अधिक समय तक दर्शकों को हंसाया था। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। खासकर, 'साराभाई वर्सेस साराभाई' के इंद्रवदन साराभाई के किरदार के लिए लाखों घरों में पहचाना जाता है। टीवी पर 'साराभाई वर्सेज साराभाई' के लिए उन्हें आईटीए और टेली अवॉर्ड मिले। वे 'कॉमेडी सर्कस' के जज भी रहे।'हम साथ साथ हैं', 'मैं हूं ना' जैसी ब्लॉकबस्टर्स में उनके किरदार आज भी याद किए जाते हैं। सतीश शाह का अंतिम संस्कार 26 अक्टूबर को पवन हंस श्मशान में हुआ। प्रार्थना सभा 27 अक्टूबर को जूहू के जलाराम हॉल में आयोजित की गई थी।

फातिमा और विजय वर्मा की 'गुस्ताख इश्क' की रिलीज डेट आगे बढ़ी, अब इस दिन सिनेमाघरों में देगी दस्तक

मुंबई। अभिनेत्री फातिमा सना शेख और विजय वर्मा स्टारर फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बुधवार को मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट को लेकर घोषणा की।

पहले फिल्म 21 नवंबर को रिलीज की जानी थी, लेकिन मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक मोशन पोस्टर शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ₹अपने कैलेंडर में नोट कर लें, गुस्ताख इश्क की नई रिलीज डेट आ गई है। 'गुस्ताख

इश्क' अब 28 नवंबर को रिलीज हो रही है।₹फैशन जगत में अपनी अलग पहचान बना चुके मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा फिल्म गुस्ताख इश्क से निर्माता के तौर पर डेब्यू करने जा रहे हैं। उनकी यह फिल्म पुरानी मोहब्बत के जुनून भरी कहानी को आधुनिक अंदाज में पेश करेगी।

फिल्म के टाइटल ट्रैक (गुस्ताख इश्क), उल जलूल इश्क, और आप इस धूप और शहर तेरे रिलीज किए जा चुके हैं। वहीं, प्रशंसकों से भी अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है और अब वे फिल्म को लेकर और भी उत्साहित नजर आ रहे हैं।

फिल्म की कहानी पुरानी दिल्ली की संकरी गलियों और पंजाब की पुरानी कोठियों के बीच एक अधूरी लेकिन गहरी प्रेम कहानी को बुनेगी।

विदेश

अमेरिका में बड़ा विमान हादसा

नई दिल्ली। अमेरिका के केंटकी में लुईविल मुम्मद अली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश का खौफनाक मंजर सामने आया है। मंगलवार शाम को लुईविल मुम्मद अली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यूपीएस कार्गो प्लेन टेकऑफ करने के कुछ ही सेकेंड बाद क्रैश हो गया और इस दुर्घटना में तीन क्रू मेंबर्स की जान चली गई। प्लेन क्रैश के बाद आग की लपटें ऊपर उठने लगीं और आसपास की जगहों तक फैल गईं।

अमेरिका में बढ़ा भारतीय मूल के नेताओं का दबदबा

वाशिंगटन। अमेरिका में न्यूयार्क और वर्जिनिया से लेकर ओहियो तक भारतीय मूल के लोग जश्न मना रहे हैं और क्यों न मनाएं? बात ही कुछ ऐसी है। न्यूयॉर्क के मेयर चुनाव हों, वर्जीनिया में लेफ्टिनेंट गवर्नर पद का चुनाव हो या फिर ओहियो के सिनसिनाटी मेयर का चुनाव हो।

पाकिस्तान में बेरोजगारी की मार: एक तिहाई युवा खाली हाथ, महिलाओं की स्थिति और खराब

नई दिल्ली। पाकिस्तान में पहली बार डिजिटल जनगणना हुई और इसी आधार पर पता चल पाया कि यहां बेरोजगारी दर चरम पर है। 7.8 फीसदी युवाओं के पास नौकरी नहीं है यानि 24 करोड़ 15 लाख की आबादी वाले देश के करीब 1 करोड़ 87 लाख युवा बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं।

पाकिस्तान ऑब्जर्वर नाम के अखबार ने देश की इस दुखती नब्ज को टटोला है। ये रिपोर्ट बेबस पाकिस्तानियों और बेपरवाह हुक्मरानों की पोल खोलती है। सिस्टम को लचर बताते हुए कहती है कि ये बेरोजगारी दर उन पाकिस्तानियों की फिक्र नहीं करती जो नीट (एनईईटी) हैं। नीट से मतलब पढ़ाई (एजुकेशन), रोजगार (एम्पलाईमेंट), और प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) से महरूम करना है।इस आर्टिकल में बताया गया है कि बेरोजगारी का संकट जितना दिखता है उससे कहीं अधिक गहरा है। 15 से

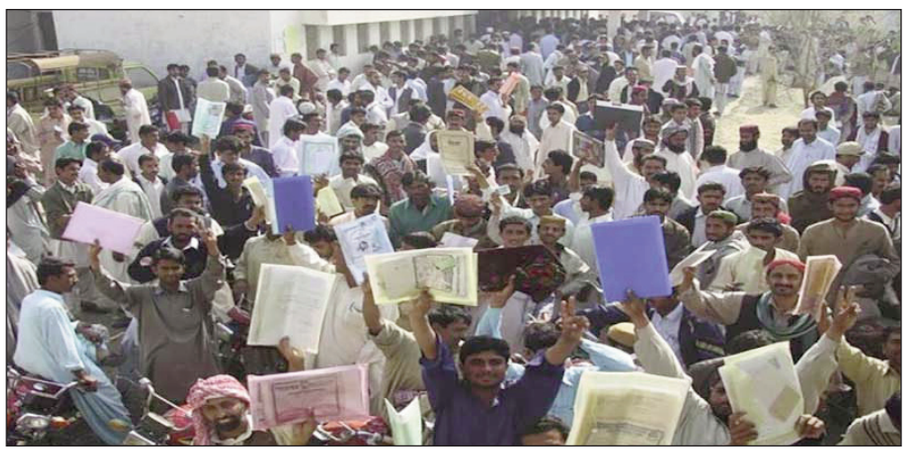

35 साल की उम्र के एक-तिहाई पाकिस्तानी इस समय बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं।

प्रकाशित रिपोर्ट की माने तो 'वर्किंग एज पापुलेशन' यानी काम करने की उम्र वाली आबादी की संख्या भी कुछ कम नहीं है। 17.17 करोड़ लोग जो काम करने में सक्षम हैं उनमें से 11 फीसदी के पास कोई नौकरी नहीं है।आर्टिकल में कहा गया है कि 'नीट' ग्रुप में वे लोग शामिल हैं जिन्होंने पूरी तरह से काम ढूंढना बंद कर दिया है, जो बिना वेतन वाले या असंगठित उपक्रमों से जुड़े हैं, या ऐसे फैमिली बिजनेस में फंसे हैं जिसकी उत्पादन क्षमता कुछ खास नहीं है।

लेख में पाकिस्तानी महिलाओं की दयनीय स्थिति का भी विवरण है। रिपोर्ट के अनुसार महिला श्रम बल भागीदारी दर भी काफी कम है। 'नीट' की समस्या तो है ही, इसके साथ ही देश की आधी आबादी की कम भागीदारी दर ने परिस्थिति को और भी सोचनीय बना दिया है।ये घटती दरें साफ इशारा करती हैं कि लेबर फोर्स का कौशल अर्थव्यवस्था से कदम ताल नहीं कर पा रहा और इसी वजह से स्ट्रक्चरल बेरोजगारी (संरचनात्मक बेरोजगारी जिसमें नियोक्ता और रोजगार की तलाश कर रहे शख्स का कौशल मेल नहीं खा पाता) बढ़ रही है।

इसका जिम्मेदार भी पाकिस्तानी शैक्षिक व्यवस्था को बताया गया है जो पुराने ढर्रे पर चल रहा है। छात्रों को मांग के हिसाब से कुशल नहीं बना पा रहा। व्यावसायिक प्रशिक्षण भी सीमित है, तो दूसरी ओर पढ़े-लिखे युवाओं का झुकाव सरकारी नौकरियों की ओर ज्यादा है। सरकारी नौकरी आबादी के लिहाज से बहुत कम हैं और इसमें कम्पटीशन भी तगड़ा है। कुछ को नौकरी मिलती है तो कइयों के हाथ खाली रह जाते हैं और इस तरह पढ़े-लिखे बेरोजगारों की तादाद में भी इजाफा हो रहा है। 2025 में बेरोजगारी दर बढ़कर करीब 8 प्रतिशत हो गई है।

हंसल मेहता ने न्यूयॉर्क के नए मेयर को दी बधाई, बोले-जोहरान ममदानी अंधेरे में प्रकाश की एक किरण

मुंबई। अमेरिका में भारतीय मूल के डेमोक्रेट उम्मीदवार जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क के मेयर पद के चुनाव में 50.4% वोट से ऐतिहासिक जीत हासिल की। इस मौके पर निर्देशक हंसल मेहता ने उनकी तारीफ करते हुए बधाई दी।

निर्देशक ने इंस्टाग्राम पर जोहरान ममदानी की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ₹न्यूयॉर्क शहर में जोहरान ममदानी की जीत सिर्फ एक राजनीतिक नहीं है, बल्कि यह एक नैतिक क्षण भी है। यह जीत ऐसे समय हुई, जब निराशावाद स्वाभाविक और करुणा अक्सर कमजोर लगती है, उनकी जीत हमें

याद दिलाती है कि शालीनता, सहानुभूति और दृढ़ विश्वास अभी भी मायने रखते हैं। मेरे लिए ममदानी उदारवाद के सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हैं।'

हंसल मेहता ने लिखा, एक तेजी से खंडित होती दुनिया में उनका उदय न केवल न्यूयॉर्क, बल्कि हम सभी के लिए आशा की किरण है जो अभी भी यह मानने का साहस रखते हैं कि राजनीति, अच्छाई की एक शक्ति हो सकती है। अंधकार के समय में प्रकाश की एक छोटी सी किरण ही काफी हो सकती है। आज जोहरान ममदानी हमारे लिए वही प्रकाश बने हैं।जोहरान ममदानी पिछले 100 सालों में न्यूयॉर्क के सबसे युवा, पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम मेयर बने हैं।जोहरान ममदानी का जन्म भले ही युगांडा में हुआ हो, लेकिन उनकी ऐतिहासिक जड़ें भारत से जुड़ी हैं। वे फिल्म डायरेक्टर मीरा नायर के बेटे हैं, जबकि उनके पिता महमूद ममदानी अफ्रीकी राजनीति और इतिहास के जाने-माने विद्वान हैं।

सूडान के उत्तरी दारफुर में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं : संयुक्त

राष्ट्रसंयुक्त राष्ट्र। सूडान के उत्तरी दारफुर क्षेत्र में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। राज्य की राजधानी अल-फशेर पर "रैपिड सपोर्ट फोर्सेस" नामक सशस्त्र समूह के कब्जे के बाद हिंसा और बढ़ गई है। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता एजेंसी (ओसीएचए) ने बताया कि अल-फशेर, टीना और वाना पहाड़ी इलाकों में रविवार को कई हवाई और ड्रोन हमलों की खबरें मिलीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि इन हमलों में आम नागरिकों की मौतें हुई हैं, लेकिन खराब हालात और संपर्क न हो पाने के कारण इन खबरों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।सोमवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयेसस ने उत्तरी दारफूर के केर्नोई बाल चिकित्सा एवं प्रसूति अस्पताल पर हुए हमले की निंदा की। इस हमले में चार लोगों की मौत और तीन के घायल होने की पुष्टि हुई। उन्होंने कहा कि अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाओं पर हमले तुरंत बंद होने चाहिए।ओसीएचए ने कहा कि हालांकि स्थिति बहुत जोखिम भरी है, फिर भी संयुक्त राष्ट्र और उससे जुड़े संगठन वहां जरूरतमंद लोगों तक राहत पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

भारतीय मूल के जोहरान ममदानी बने न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर, हुए ट्रंप के गुस्से का शिकार

नई दिल्ली। अमेरिका में डेमोक्रेट उम्मीदवार भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने बुधवार को न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद के चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल की है। चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार एंड्रयू कुओमो को हराकर ममदानी शहर के पहले मुस्लिम मेयर बन गए हैं। ममदानी 1 जनवरी, 2026 को अमेरिका के सबसे बड़े महानगर का नेतृत्व करने के लिए पदभार ग्रहण करेंगे।

जोहरान ममदानी युगांडा के विद्वान महमूद ममदानी और प्रसिद्ध भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर के बेटे हैं। उनका जन्म 18 अक्टूबर 1991 को युगांडा के कंपाला में हुआ था। जोहरान का बचपन युगांडा से दक्षिण अफ्रीका और आखिर में न्यूयॉर्क शहर में बीता।अपनी जीत के बाद अपनी पहली एक्स पोस्ट में ममदानी ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें सिटी हॉल में एक न्यूयॉर्क मेट्रो ट्रेन खुलती दिखाई दे रही थी और दीवार पर 'जोहरान फॉर न्यू यॉर्क सिटी₹ लिखा हुआ था। सिटी हॉल वह जगह है, जहां मेयर कार्यालय स्थित है।

जोहरान ममदानी ने जून में हुए डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में भी पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हरा दिया था। वहीं रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लीवा ने कुओमो के खेमे के बढ़ते दबाव के बावजूद नाम वापस लेने से इनकार कर दिया था। इस चुनाव ने पूरे देश का ध्यान खींचा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क की भारी आलोचना के बावजूद डेमोक्रेटिक उम्मीदवार को चुनाव में सफलता मिली। चुनाव से ठीक पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर ममदानी को कम्युनिस्ट उम्मीदवार बताते हुए उनकी निंदा की थी और चेतावनी दी थी।

जापान का एक प्रांत ऐसा जहां भालुओं को काबू में करने के लिए सेना तैनात

टोक्यो। जापान के पहाड़ी प्रांत अकिता में भालुओं के आतंक से लोग खौफजदा हैं। हालात बेकाबू हो चले हैं और यही वजह है कि इनसे निपटने के लिए सरकार को सेना भेजनी पड़ी है। स्थानीय अधिकारियों के अनुरोध पर ये कदम उठाया गया है।

यह ऑपरेशन अकिता प्रांत के काज़ुनो शहर में शुरू हुआ, जहां हफ्तों से निवासियों को सलाह दी जा रही है कि वे आसपास के घने जंगलों में जाने से बचें, अंधेरा होने के बाद घर पर रहें और अपने घरों के पास खाने की तलाश में आने वाले भालुओं को डराने के लिए घंटियां साथ रखें।

पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल से अब तक पूरे जापान में 100 से ज्यादा बार हमले हुए हैं, जिनमें रिकॉर्ड स्तर पर 12 लोगों की मौत हुई है। इनमें से दो-तिहाई अकिता प्रांत और पास के इवाते प्रांत के थे।उप प्रमुख कैबिनेट सचिव केई सातो ने बुधवार को टोक्यो में एक प्रेस वार्ता में कहा, 'कई इलाकों में भालू आबादी वाले इलाकों में घुस रहे हैं और इनके हमलों से जान माल का नुकसान हो रहा है। यही वजह है कि अब हम भालुओं से निपटने के उपायों में बिल्कुल भी देरी नहीं कर सकते।'

अकिता के अधिकारियों का कहना है कि इस साल भालू दिखने की घटनाएं छह गुना बढ़कर 8,000 से ज्यादा हो गई हैं, जिसके बाद पिछले हफ्ते प्रांत के गवर्नर ने जापान की सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज (एसडीएफ) से मदद मांगी थी।जापान टुडे ने रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के हवाले से बताया कि बुधवार सुबह लगभग 30,000 लोगों के शहर काजुनो में एक आर्मी ट्रक, कई जीपें और एक दर्जन से ज्यादा सैनिक इकट्ठा हुए, जिनमें से कुछ ने बॉडी आर्मर (बुलेटप्रूफ जैकेट) पहना हुआ था।ये सैनिक भालुओं को पकड़ने के लिए इस्तेमाल होने वाले बॉक्स ट्रैप को लाने-ले जाने, लगाने और जांच करने में मदद करेंगे, लेकिन उन्हें मारने का काम प्रशिक्षित शिकारी करेंगे जिनके पास इस काम के लिए ज्यादा उपयुक्त हथियार होंगे।

भालुओं की बढ़ती संख्या, जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक भोजन के स्रोतों में बदलाव और ग्रामीण इलाकों में आबादी कम होने से भालू और आम लोगों का सामना हो रहा है।जापान टाइम्स ने पर्यावरण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के हवाले से बताया कि बीते शुक्रवार तक जापान में 20,792 बार भालू देखे गए। आंकड़ों के अनुसार, 2009 में इतने भालू रिकॉर्ड स्तर पर दिखे थे, वहीं इस वित्तीय साल की पहली छमाही में ही यह आंकड़ा 20,000 से ज्यादा पहुंच गया था।हाल के महीनों में, भालुओं ने एक सुपरमार्केट के अंदर ग्राहकों पर हमला किया, फिर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के पास बस स्टॉप पर इंतजार कर रहे एक पर्यटक पर भी हमला किया।